University of Rajasthan
Jaipur

SYLLABUS

M.A.
HINDI

(Semester Scheme)

I/II Sem. - 2015-2016
III/ IV Sem. - 2016-2017

Prepared by - 22/06

Checked by

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

राजस्थान विश्वावद्यालय, जयपुर

एम.ए. (हिन्दी)

प्रथम सत्र
FIRST SEMESTER

HIN – 101	आदिकालीन काव्य एवं निर्गुण काव्य
HIN – 102	आधुनिक हिन्दी काव्य – I
HIN – 103	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा
HIN – 104	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं भक्तिकाल)

द्वितीय सत्र
SECOND SEMESTER

HIN – 201	मध्यकालीन हिन्दी काव्य
HIN – 202	कथेतर गद्य विधाएँ
HIN – 203	हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल एवं आधुनिक काल)
HIN – 204	हिन्दी कहानी

तृतीय सत्र
THIRD SEMESTER

HIN – 301	हिन्दी उपन्यास
HIN – 302	आधुनिक हिन्दी काव्य – II
HIN – 303	भारतीय काव्यशास्त्र

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

विषय विकल्प

A – 01	अपभ्रंश भाषा एवं साहित्य
A – 02	कबीरदास
A – 03	सूरदास
A – 04	जयशंकर प्रसाद
A – 05	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
A – 06	पत्रकारिता और जनसंचार
A – 07	लोक साहित्य
A – 08	अनुवाद : सिद्धान्त और प्रविधि
A – 09	स्त्री लेखन
A – 10	प्रयोजनमूलक हिन्दी

चतुर्थ सत्र
FOURTH SEMESTER

HIN – 401	हिन्दी आलोचक और आलोचना
HIN – 402	पाश्चात्य आलोचना
HIN – 403	हिन्दी नाटक और रंगमंच

विषय विकल्प

B – 01	तुलसीदास
B – 02	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
B – 03	प्रेमचन्द
B – 04	रामचन्द्र शुक्ल
B – 05	राजस्थानी भाषा और साहित्य
B – 06	हिन्दी सिनेमा
B – 07	दलित साहित्य
B – 08	संत काव्य
B – 09	आधुनिक भारतीय साहित्य

एम.ए. (हिन्दी)

प्रथम सत्र

HIN-101

प्रथम प्रश्न पत्र : आदिकालीन काव्य एवं निर्गुण काव्य

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. पृथ्वीराज रासो : चन्दबरदाई (सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं नामवर सिंह)
   शशिव्रता विवाह प्रस्ताव : प्रारंभ से 50 छंद तक

2. । कीर्तिलता : विद्यापति (सं. शिव प्रसाद सिंह) केवल द्वितीय पल्लव
   ।। पदावली : विद्यापति (सं. शिव प्रसाद सिंह)
   कुल 20 पद (पद संख्या – 3, 4, 8, 9, 10, 11, 19, 26, 36, 48, 54, 56, 58, 60, 62, 78, 81, 82, 94, 95)

3. कबीर ग्रंथावली (सं. श्याम सुन्दर दास) साखी – विरह कौ अंग, कस्तूरियाँ मृग कौ अंग
   कुल 20 पद (पद संख्या– 1, 2, 16, 23, 32, 39, 43, 55, 58, 59, 61, 64, 84, 92, 111, 159, 241, 344, 378, 402)

4. जायसी ग्रंथावली (सं रामचन्द्र शुक्ल) सिंहलद्वीप वर्णन खंड तथा नागमती–वियोग खंड

अंक विभाजन :

व्याख्या – कुल चार (10 x 4 = 40 अंक)
आन्तरिक विकल्प देय
आलोचनात्मक प्रश्न कुल चार (15 x 4 = 60 अंक)
आन्तरिक विकल्प देय
व्याख्या और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. पृथ्वीराज रासो की भाषा – डॉ.नामवर सिंह
3. विद्यापति – डॉ.शिव प्रसाद सिंह
4. जायसी – विजय देव नारायण साही
5. नाथपंथ और संत साहित्य – डॉ.नागेन्द्रनाथ उपाध्याय
6. हिन्दी काव्य की निर्गुण धारा में भक्ति – डॉ. श्याम सुन्दर शुक्ल
7. चंदबरदाई – शांता सिंह
8. आदिकालीन हिन्दी साहित्य – डॉ.शंभूनाथ पाण्डेय
9. कबीर वाङ्यम : सबद, साखी, रमैनी – डॉ.जयदेव सिंह, डॉ. वासुदेव सिंह
10. मध्ययुगीन काव्य साधना – आचार्य रामचन्द्र तिवारी
11. भये कबीर कबीर – डॉ.शुकदेव सिंह
12. हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय – पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल
13. पृथ्वीराज रासउ – सं माताप्रसाद गुप्त
14. उत्तरी भारत की संत परम्परा – परशुराम चतुर्वेदी
15. पद्मावत – वासुदेव शरण अग्रवाल
16. कबीर : एक नई दृष्टि – रघुवंश

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

30/6/16

विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

एम.ए. (हिन्दी)

प्रथम सत्र

HIN-102

द्वितीय प्रश्न पत्र : आधुनिक हिन्दी काव्य – प्रथम

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

इकाई 1.	जयशंकर प्रसाद	–	श्रद्धा सर्ग (कामायनी)
इकाई 2.	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'	–	राम की शक्ति पूजा
इकाई 3.	स.ही.वा. 'अज्ञेय'	–	असाध्य वीणा
इकाई 4.	गजानन माधव 'मुक्तिबोध'	–	अंधेरे में

अंक विभाजन :

व्याख्या – कुल चार (10 x 4 = 40 अंक)
आन्तरिक विकल्प देय
आलोचनात्मक प्रश्न कुल चार (15 x 4 = 60 अंक)
आन्तरिक विकल्प देय
व्याख्या और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है

अनुशंसित ग्रंथ :

1. नन्द दुलारे वाजपेयी – जयशंकर प्रसाद
2. कामायनी : एक पुनर्विचार : मुक्तिबोध
3. रामविलास शर्मा – निराला की साहित्य साधना (भाग दो, तीन)
4. डॉ. नगेन्द्र – सुमित्रानन्दन पंत
5. डॉ. नामवर सिंह – छायावाद
6. जगदीश गुप्त – महादेवी वर्मा
7. रमेशचन्द्र शाह – छायावाद की प्रासंगिकता
8. रामधारी सिंह 'दिनकर' – पंत प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त
9. डॉ. बच्चन सिंह – क्रांतिकारी कवि निराला
10. डॉ. प्रेम शंकर – प्रसाद का काव्य
11. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी – समकालीन हिन्दी कविता
12. रामस्वरूप चतुर्वेदी – अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या

30/6/16
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. (हिन्दी)

प्रथम सत्र

HIN-103

तृतीय प्रश्न पत्र : भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. भाषा : परिभाषा, विशेषताएँ, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा और बोली
2. भाषा विज्ञान : परिभाषा, अंग, भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध
3. स्वनिम विज्ञान : परिभाषा, स्वन, वागीन्द्रियाँ, स्वनों का वर्गीकरण – स्थान और प्रयत्न के आधार पर। स्वन परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।
4. रूपिम विज्ञान – शब्द और रूप (पद), पद विभाग – नाम, आख्यात, उपसर्ग और निपात। व्याकरणिक कोटियाँ – लिंग, वचन, पुरुष, कारक, काल, पद परिवर्तन के कारण
5. वाक्य विज्ञान – वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्व, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण
6. अर्थ विज्ञान – शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।
7. अपभ्रंश, राजस्थानी, अवधी, ब्रज तथा खड़ी बोली की सामान्य विशेषताएँ।
8. स्वाधीनता संघर्ष के दौरान हिन्दी का राष्ट्रभाषा के रूप में विकास ।
9. राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी
10. देवनागरी लिपि में सुधार के प्रयास एवं विशेषताएँ।

अंक विभाजन :

इस प्रश्न पत्र से कुल पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे अंतिम प्रश्न टिप्पणी होगा। 10–10 अंकों की दो टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी। सभी प्रश्नों के आंतरिक विकल्प देय होंगे। 20 x 4 = 80 अंक

टिप्पणी 10 x 2 = 20 अंक

अनुशंसित ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
3. सामान्य भाषा विज्ञान – बाबूराम सक्सेना, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
4. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास – उदयनारायण तिवारी, भारती भण्डार, इलाहाबाद
5. भाषा और समाज – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. पुरानी हिन्दी – चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, काशी ना. प्र. सभा, वाराणसी
7. हिन्दी शब्दानुशासन – किशोरीदास वाजपेयी, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
8. भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी – सुनीति कुमार चटर्जी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र – कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
10. हिन्दी भाषा : विकास और स्वरूप – कैलाश चन्द्र भाटिया, ग्रंथ अकादमी, नई दिल्ली

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. (हिन्दी)

प्रथम सत्र

HIN-104

चतुर्थ प्रश्न पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं भक्तिकाल)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

हिन्दी साहित्येइतिहास के लेखन का इतिहास, काल विभाजन एवं नामकरण, आदिकालीन काव्य धाराएँ – सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य, प्रमुख रासो काव्य और उनकी प्रामाणिकता, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति की कीर्तिलता और पदावली, आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सामान्य विशेषताएँ।

भक्ति आन्दोलन : सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भक्ति आन्दोलन और लोक जागरण, भक्ति साहित्य एवं सामाजिक समरसता, प्रमुख निर्गुण कवि, प्रमुख सगुण कवि, निर्गुण एवं सगुण भक्ति की प्रमुख धाराएँ एवं उनकी शाखाएँ, भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ।

भारत में सूफीमत का उदय और विकास, सूफीमत के सिद्धान्त, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य ग्रंथ, सूफी काव्यधारा की सामान्य विशेषताएँ।

अंक विभाजन :

आलोचनात्क प्रश्न – कुल पाँच (20 x 4 = 80 अंक)
अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा। (10 x 2 = 20 अंक)
सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. रामचन्द्र शुक्ल – हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिन्दी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिन्दी साहित्यः उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिन्दी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
5. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग –एक),वाणी वितान, ब्रहमनाल, वाराणसी
6. नगेन्द्र (स.) – हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. रामस्वरूप चतुर्वेदी – हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती, इलाहाबाद
8. नलिन विलोचन शर्मा – साहित्य का इतिहास दर्शन, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
9. बच्चन सिंह – हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
10. मैनेजर पाण्डेय – साहित्य और इतिहास दृष्टि, पिपुल्स लिटरेसी, दिल्ली
11. त्रिभुवन सिंह – साहित्यिक निबंध
12. शंभुनाथ पाण्डेय – आदिकालीन हिन्दी साहित्य
13. नागेन्द्रनाथ उपाध्याय – गोरखनाथ : नाथ सम्प्रदाय के परिप्रेक्ष्य में
14. नागेन्द्रनाथ उपाध्याय – बौद्ध कापालिक साधना और साहित्य

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. (हिन्दी)

द्वितीय सत्र

HIN-201

प्रथम प्रश्न पत्र : मध्यकालीन हिन्दी काव्य

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. सूरदास : (पद संख्या 21 से 60 तक) भ्रमरगीत सार–सं रामचन्द्र शुक्ल
2. तुलसीदास : रामचरितमानस का अयोध्याकाण्ड (दोहा संख्या 253 से 288 तक)
3. बिहारीलाल : बिहारी रत्नाकर (प्रारम्भ के 50 दोहे) जगन्नाथदास रत्नाकर
4. घनानंद : घनानंद कवित्त (प्रारंभ के 30 छंद) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
5. मीराबाई : मीरां पदावली (प्रारंभ के 30 छंद) शम्भू सिंह मनोहर

अंक विभाजन :

व्याख्या – कुल चार (10 x 4 = 40 अंक)
आन्तरिक विकल्प देय
आलोचनात्मक प्रश्न कुल चार (15 x 4 = 60 अंक)
आन्तरिक विकल्प देय
व्याख्या और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है

अनुशंसित ग्रंथ :

1. सूरदास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. महाकवि सूरदास – नंददुलारे वाजपेयी, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली
3. सूर साहित्य – हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिंदी ग्रंथ रत्नाकर, बम्बई
4. गोस्वामी तुलसीदास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
5. गोसाईं तुलसीदास – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, वाराणसी
6. तुलसी आधुनिक वातायन से – रमेश कुंतल मेघ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. परम्परा का मूल्यांकन – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. भक्तिकाव्य और लोक जीवन – शिव कुमार मिश्र, दिल्ली
9. भक्तिकाव्य की भूमिका – प्रेमशंकर, नई दिल्ली
10. लोकवादी तुलसीदास – विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
11. भक्तिकाल में भारतीय रहस्यवाद – राधेश्याम दुबे, संजय बुक सेन्टर, वाराणसी
12. मीराबाई – श्रीकृष्णलाल, आनंद पुस्तक भवन, वाराणसी
13. मीरा एक पुनर्मूल्यांकन – सं. पल्लव, आधार प्रकाशन, पंचकूला
14. मध्ययुगीन काव्य साधना – डॉ.रामचन्द्र तिवारी
15. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – बिहारी, वाराणसी
16. बच्चन सिंह – बिहारी का नया मूल्यांकन, इलाहाबाद
17. मनोहर लाल गौड़ – घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा, वाराणसी
18. विश्वनाथ त्रिपाठी – मीरा का काव्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. (हिन्दी)

द्वितीय सत्र

HIN-202

द्वितीय प्रश्न पत्र : कथेतर गद्य विधाएँ

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. रामचन्द्र शुक्ल : चिंतामणि (भाग–1) (निबंध – भाव या मनोविकार, करुणा, कविता क्या है, लोकमंगल की साधनावस्था)
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी – अशोक के फूल (निबंध – आशोक के फूल, बसंत आ गया है, भारतवर्ष की सांस्कृतिक समस्या मंनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है
3. जयशंकर प्रसाद – स्कन्दगुप्त
4. अज्ञेय – स्मृतिलेखा
   - I. राष्ट्र कवि (मैथिलीशरण गुप्त)
   - II. वसन्त का अग्रदूत (सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला')
   - III. समय – सूर्य (रामधारी सिंह 'दिनकर')
   - IV. बीसवीं सदी का बाणभट्ट (हजारी प्रसाद द्विवेदी)

अंक विभाजन :

व्याख्या – कुल चार	(10 x 4 = 40 अंक)
आन्तरिक विकल्प देय	
आलोचनात्मक प्रश्न कुल चार	(15 x 4 = 60 अंक)
आन्तरिक विकल्प देय	

व्याख्या और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है

अनुशंसित ग्रंथ :

1. रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. रामचन्द्र शुक्ल – मलयज, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
4. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्य – चौथीराम यादव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी
5. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास – दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली
6. पहला रंग – देवेन्द्रराज अंकुर राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी
8. रंग परम्परा – नेमिचन्द्र जैन
9. जयशंकर प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ शर्मा
10. नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान – वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी,जगतराम एण्ड संस,दिल्ली
11. समकालीन हिन्दी निबंध – कमला प्रसाद, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़
12. जयशंकर प्रसाद – रंगदृष्टि – रा.ना.वि. नई दिल्ली
13. समकालीन हिन्दी नाटक की संघर्ष चेतना – गिरीश रस्तोगी, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़
14. नाटक और रंग परिकल्पना – डॉ.गिरीश रस्तोगी
15. हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी

30/6/14

विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. (हिन्दी)

द्वितीय सत्र

HIN-203

तृतीय प्रश्न पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल एवं आधुनिककाल)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रीतिकाल के मूल स्रोत, प्रमुख रीति कवि, रीतिमुक्त काव्यधारा एवं प्रमुख कवि, रीतिकाल की सामान्य विशेषताएँ।

1857 का स्वतंत्रता संघर्ष और हिन्दी नवजागरण, भारतेन्दु और उनका मंडल, 19वीं शताब्दी की हिन्दी की प्रमुख पत्र–पत्रिकाएँ, भारतेन्दु कालीन साहित्य की विशेषताएँ, महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, द्विवेदी युग के प्रमुख गद्य लेखक और कवि, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा।

हिन्दी में गद्य विधाओं का उदय और विकास – उपन्यास, कहानी, नाटक और निबंध का विकास। प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद और रामचन्द्र शुक्ल का हिन्दी गद्य के विकास में योगदान, स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास और कहानी। समकालीन कहानी और कविता। रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रावृतांत, आत्मकथा आदि विधाओं का विकास।

अंक विभाजन :

कुल पाँच प्रश्न	(20 x 4 = 80 अंक)
अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा।	(10 x 2 = 20 अंक)
सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय।	

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
5. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग–एक)–विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, ब्रह्मनाल, वाराणसी
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद
8. साहित्य का इतिहास दर्शन – नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
9. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
10. साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पाण्डेय, पीपुल्स लिटरेसी, दिल्ली
11. हिन्दी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद।

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. (हिन्दी)

द्वितीय सत्र

HIN-204

चतुर्थ प्रश्न पत्र : हिन्दी कहानी

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. प्रेमचन्द – कफन
2. जयशंकर प्रसाद – ममता
3. चंद्रधर शर्मा गुलेरी– उसने कहा था
4. अज्ञेय – गैंग्रीन
5. अमरकान्त – जिन्दगी और जोंक
6. निर्मल वर्मा – परिन्दे
7. फणीश्वरनाथ रेण– तीसरी कसम उर्फ मारे गये गुलफाम
8. भीष्म साहनी – चीफ की दावत
9. कमलेश्वर – राजा निरबंसिया
10. शिव प्रसाद सिंह– नन्हों

तथा हिन्दी कहानी का विकास एवं विविध आन्दोलन।

अंक विभाजन :

चार व्याख्याएँ (10 x 4 = 40 अंक)
आन्तरिक विकल्प देय
चार आलोचनात्मक प्रश्न (15 x 4 = 60 अंक)
आन्तरिक विकल्प देय

एक कहानी से एक ही व्याख्या पूछी जाएगी। कहानी, कहानीकार एवं कहानी के इतिहास से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे। एक कहानी से अधिकतम एक ही प्रश्न पूछा जाएगा।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. नामवर सिंह : कहानी : नई कहानी, लोक भारती, इलाहाबाद 1982
2. राजेन्द्र यादव : एक दुनिया समानान्तर (संपादित) राधाकृष्ण नई दिल्ली 1993
3. राजेन्द्र यादव : नई कहानी संवेदना और स्वरूप, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
4. मधुरेश : नयी कहानी : पुनर्विचार, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
5. मधुरेश : हिन्दी कहानी : अस्मिता की तलाश, आधार प्रकाशन, पंचकूला
6. मार्कण्डेय : कहानी की बात, लोक भारती, इलाहाबाद, 1984
7. डॉ.देवेश ठाकुर : हिन्दी की पहली कहानी, मीनाक्षी प्रकाशन मेरठ, 1977
8. कमलेश्वर : नयी कहानी की भूमिका, शब्दकार दिल्ली, 1991
9. डॉ.इन्द्रनाथ मदान : हिन्दी कहानी : पहचान और परख लिपि प्रकाशन,दिल्ली 1973
10. सं.देवीशंकर अवस्थी : नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति, राजकमल, दिल्ली, 1966
11. विजय मोहन सिंह : आज की हिन्दी कहानी, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली, 1983
12. विश्वनाथ त्रिपाठी : कुछ कहानियाँ कुछ विचार, दिल्ली, 1988
13. डॉ.बलराज पाण्डेय : नई कहानी आन्दोलन की भूमिका,अनामिका प्रकाशन,इलाहाबाद 1989

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. (हिन्दी)

तृतीय सत्र

HIN-301

प्रथम प्रश्न पत्र : हिन्दी उपन्यास

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. प्रेमचन्द : गोदान
2. अज्ञेय : शेखर एक जीवनी (भाग–1, भाग–2)
3. हजारी प्रसाद द्विवेदी : बाणभट्ट की आत्मकथा
4. फणीश्वरनाथ रेणु : मैला आँचल

अंक विभाजन :

व्याख्या – कुल चार (10 x 4 = 40 अंक)
आन्तरिक विकल्प देय
आलोचनात्मक प्रश्न – कुल चार (15 x 4 = 60 अंक)
व्याख्या और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. डॉ.गोपाल राय : गोदान : नया परिप्रेक्ष्य, अनुपम प्रकाशन, पटना 2000
2. रामविलास शर्मा : प्रेमचन्द और उनका युग, राजकमल, दिल्ली 1989
3. हंसराज रहबर : प्रेमचन्द व्यक्तित्व और कृतित्व, आत्माराम दिल्ली 1962
4. नेमिचन्द जैन : अधूरे साक्षात्कार, वाणी प्रकाशन दिल्ली, 1989
5. विजय मोहन सिंह: कथा समय, राधाकृष्ण, दिल्ली 1983
6. ज्ञानचंद जैन : प्रेमचन्द पूर्व के हिन्दी उपन्यास, आर्य प्रकाशन मंडल दिल्ली, 1983
7. मधुरेश : हिन्दी उपन्यास का विकास, सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद 1988
8. गोपाल राय : अज्ञेय और उसके उपन्यास, ग्रंथ निकेतन, पटना, 1984
9. सं.परमानन्द श्रीवास्तव: शेखर एक जीवनी का महत्व, नई कहानी प्रकाशन,इलाहाबाद, 1992
10. सं.सत्यप्रकाश मिश्र : गोदान का महत्व, नई कहानी प्रकाशन, इलाहाबाद, 1992
11. ज्योतिष जोशी : उपन्यास की समकालीनता, भारतीय ज्ञान पीठ प्रकाशन न,दिल्ली 2007
12. सं.डॉ.राजकमल राय: शेखर एक जीवनी विविध आयाम, अभिव्यक्ति प्रकाशन इलाहाबाद

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. (हिन्दी)

तृतीय सत्र

HIN-302

द्वितीय प्रश्न पत्र : आधुनिक हिन्दी काव्य – ।।

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. नागार्जुन	:	कालिदास, सिन्दुर तिलकित भाल, अकाल और उसके बाद
2. भवानी प्रसाद मिश्र	:	गीत फरोश, कहीं नहीं बचे, गाँव
3. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना	:	सुहागिन का गीत, सौन्दर्य बोध, सूखे पीले पत्तों ने कहा
4. विजयदेव नारायण साही	:	अलविदा, मछलीघर
5. कुंवर नारायण	:	नचिकेता, ये पंक्तियाँ मेरे निकट
6. धूमिल	:	मोचीराम, सुदूर पूर्व में, प्रौढ़ शिक्षा
7. केदारनाथ सिंह	:	फर्क नहीं पड़ता, सह अग्नि किरीट मस्तक

अंक विभाजन :

व्याख्या : कुल चार (10 x 4 = 40 अंक)
आंतरिक विकल्प देय
आलोचनात्मक प्रश्न : कुल चार (15 x 4 = 60 अंक)
आन्तरिक विकल्प देय। व्याख्या और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. केदारनाथ सिंह	:	मेरे समय के शब्द
2. अरूण कमल	:	कविता और समाज
3. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी	:	समकालीन हिन्दी कविता
4. जगदीश गुप्त	:	नयी कविता : स्वरूप और समस्याएँ
5. रामस्वरूप चतुर्वेदी	:	कविता यात्रा
6. परमानंद श्रीवास्तव	:	समकालीन कविता का यथार्थ
7. रामकली सर्राफ	:	समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ
8. नामवर सिंह	:	कविता के नये प्रतिमान
9. नन्दकिशोर नवल	:	समकालीन काव्य यात्रा
10. नन्दकिशोर नवल	:	कविता : पहचान और संकट
11. अशोक वाजपेयी	:	कवि कह गया है
12. राजेश जोशी	:	एक कवि की नोट बुक

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. (हिन्दी)

तृतीय सत्र

HIN-303

तृतीय प्रश्न पत्र : भारतीय काव्यशास्त्र

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. काव्यशास्त्र का इतिहास – सामान्य परिचय
2. काव्य लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन
3. रस सिद्धान्त –रस की अवधारणा, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण
4. ध्वनि सिद्धान्त – ध्वनि का अवधारणा, ध्वनि का विचार स्रोत, ध्वनि का वर्गीकरण, ध्वनि सिद्धान्त का महत्व
5. अलंकार सिद्धान्त – अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार सिद्धान्त एवं अन्य सम्प्रदाय
6. रीति सिद्धान्त – रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण
7. वक्रोक्ति सिद्धान्त – वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनवाद, वक्रोक्ति का महत्व
8. औचित्य सिद्धांत – औचित्य की अवधारणा, औचित्य का महत्व।

अंक विभाजन :

कुल पाँच प्रश्न (20 x 4 = 80 अंक)
अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा। (10 x 2 = 20 अंक)
सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्यशास्त्र : गणेश त्र्यंबक देशपांडे, पापुलर बुक डिपो, पूना
2. रसमीमांसा : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3. संस्कृत आलोचना : बलदेव उपाध्याय
4. रस प्रक्रिया : शंकरदेव अवतरे, दिल्ली
5. हिस्ट्री आफ संस्कृत पोएटिक्स : पी.बी.काणे,मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
6. काव्शास्त्र की भूमिका : डॉ.नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज : राममूर्ति त्रिपाठी,राजकमल प्रकाशन दिल्ली
8. ध्वनि सम्प्रदाय और उनके सिद्धान्त : भोलाशंकर व्यास चौखंभा, वाराणसी
9. काव्यशास्त्र : भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
10. भारतीय काव्य विमर्श : राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
11. भारतीय काव्यशास्त्र की आचार्य परम्परा : डॉ.राधावल्लभ त्रिपाठी
12. ध्वन्यालोक : आचार्य चण्डिका प्रसाद शुक्ल

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. (हिन्दी)

तृतीय सत्र

A 01 – अपभ्रंश : भाषा एवं साहित्य

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1.	सरहपा	:	प्रारम्भ से 12 दोहे
2.	स्वयंभू	:	सम्पूर्ण
3.	अब्दुर्रहमान	:	प्रारम्भ से 16 छंद
4.	हेमचन्द्र सूरि	:	प्रारम्भ से 20 दोहे
5.	विनयचन्द्र सूरि	:	सम्पूर्ण
6.	विद्यापति	:	कीर्तिलता (प्रथम तथा द्वितीय पल्लव)
7.	अपभ्रंश व्याकरण	:	अपभ्रंश रचना सौरभ, लेखक – डॉ.कमलचंद सौगाणी, अपभ्रंश अकादमी,जयपुर

नोट : 1 से 5 तक पाठ्यांश ' अपभ्रंश और अवहट्ट : एक अन्तर्यात्रा ' रा.ना.मा. की पुस्तक से निर्धारित है।

अंक विभाजन :

चार व्याख्याएँ (10 x 4 = 40 अंक)

तीन आलोचनात्मक प्रश्न तथा एक प्रश्न व्याकरण से संबंधित (15 x 4 = 60 अंक)

सभी कवियों से व्याख्याएं अपेक्षित हैं।

तीन आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। एक प्रश्न व्याकरण का होगा। आंतरिक विकल्प व्याख्या तथा सभी प्रश्नों में देय है।

अनुशंसित ग्रंथ :

1.	हिन्दी काव्यधारा	:	राहुल सांकृत्यायन
2.	हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योग:		डॉ.नामवर सिंह लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3.	अपभ्रंश भाषा का अध्ययन	:	डॉ.वीरेन्द्र श्रीवास्तव
4.	अपभ्रंश साहित्य	:	हरिवंश कोछड़
5.	प्राकृत और अपभ्रंश साहित्य तथा उनका हिन्दी साहित्य पर प्रभाव : डॉ.रामसिंह तोमर हिन्दी परिषद् प्रकाशन, इलाहाबाद		
6.	अपभ्रंश भाषा और साहित्य	:	राजमणि शर्मा–भारतीय ज्ञानपीठ
7.	' अपभ्रंश और अवहट्ट : एक अन्तर्यात्रा ' : शम्भूनाथ पाण्डेय		

30/8/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. (हिन्दी)

तृतीय सत्र

A 02 – कबीरदास

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

कबीर ग्रंथावली : (सम्पादक श्यामसुन्दर दास) नागरी प्र.स. काशी। पाठ्यक्रम–निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग, चाणक कौ अंग, सुरातन कौ अंग

कबीर : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

पद संख्या – 35, 41, 42, 55, 57, 66, 69, 94, 104, 108, 110, 123, 130, 153, 160, 165, 166, 173, 191, 193, 199, 207, 218, 247, 249

अंक विभाजन :

कुल चार व्याख्याएँ (10 x 4 = 40 अंक)

कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न (15 x 4 = 60 अंक)

सभी पुस्तकों से व्याख्याएं अपेक्षित हैं।

आंतरिक विकल्प देय है।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. संत कबीर : रामकुमार वर्मा
2. कबीर साहित्य की परख : आ.परशुराम चतुर्वेदी
3. कबीर : डॉ.वासुदेव सिंह
4. बीजक का भाषा शास्त्रीय अध्ययन : डॉ.शुकदेव सिंह
5. कबीर–मीमांसा : रामचन्द्र तिवारी
6. कबीर की विचारधारा : गोविन्द त्रिगुणायत
7. कबीर की खोज : राजकिशोर सं0
8. कबीर : पूनर्मूल्यांकन : बलदेव वंसी
9. कबीर : विजेन्द्र स्नातक
10. बाज भी,कपोत भी, पपीहा भी, धर्मवीर
11. कबीर के आलोचक : धर्मवीर
12. भक्ति का संदर्भ : देवीशंकर अवस्थी
13. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी,
14. सूफी मत : साधना और साहित्य रामपूजन तिवारी
15. अकथ कहानी प्रेम की : पुरुषोत्तम अग्रवाल

30/6/16
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. (हिन्दी)

तृतीय सत्र

A 03 – सूरदास

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

कृष्णभक्ति काव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ, सूरदास का जवीन–वृत्त, सूरसागर : प्रतिपाद्य और मौलिकता, साहित्यलहरी : प्रतिपाद्य एवं प्रामणिकता, सुरसारावली : प्रतिपाद्य और प्रामाणिकता, सूर की भक्ति भावना, दार्शनिक चेतना, सौंदर्य, दृष्टि वात्सल्य एवं श्रृंगार, अध्यात्म : ज्ञान और प्रेम, सूरकाव्य में ब्रज संस्कृति और लोकतत्व।

निर्धारित पाठ एवं पाठ्यग्रंथ : सूरसागर – सार : धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्रा.लि. जीरो रोड, इलाहाबाद द्वारा संपादित एवं प्रकाशित पाठयांश विनय भक्ति, गोकुललीला, वृन्दावनलीला, राधाकृष्ण तथा उद्धव–संदेश।

अंक विभाजन :

कुल चार व्याख्याएँ (10 x 4 = 40 अंक)
कुल चार प्रश्न (15 x 4 = 60 अंक)
आंतरिक विकल्प देय है।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हजारी प्रसाद द्विवेदी : सूरसाहित्य
2. नंददुलारे वाजपेयी : महाकवि सूरदास
3. ब्रजेश्वर वर्मा : सूरदास
4. हरबंसलाल शर्मा : सूरदास
5. रामचन्द्र शुक्ल : सूरदास
6. मुंशीराम शर्मा 'सोम' : सूर–सौरभ, आचार्य शुक्ल साधाना मंदिर, दिल्ली
7. मैनेजर पांडे : कृष्णकाव्य की परम्परा और सूरदास का काव्य
8. दीनदयालु गुप्त : अष्टछाप और वल्लभ संप्रदाय, लखनऊ वि.वि. प्रकाशन लखनऊ
9. प्रेमनारायण टंडन : ब्रजभाषा सूर–कोश, लखनऊ वि.वि. लखनऊ
10. प्रभुदयाल मीतल : साहित्यलहरी, साहित्य संस्थान, मथुरा

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. (हिन्दी)

तृतीय सत्र

A 04 – जयशंकर प्रसाद

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. आंसू (सम्पूर्ण)
2. लहर – प्रलय की छाया, अशोक की चिंता, पेशोला की प्रतिध्वनि, शेरसिंह का शस्त्र–सर्म्पण
3. अजातशत्रु
4. जनमेजय का नागयज्ञ
5. कामना
6. चंद्रगुप्त
7. कंकाल
8. तितली
9. कहानी : भिखारिन, प्रतिध्वनि, चूड़ीवाली, देवदासी, बिसाती, आंधी, मधुआ, बेड़ी, नीरा, व्रतभंग, गुंडा, विराम चिन्ह, सलीम, सालवती, देवरथ।
10. काव्य कला तथा अन्य निबंध

अंक विभाजन :

कुल चार व्याख्याएँ (10 x 4 = 40 अंक)
कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न (15 x 4 = 60 अंक)
सभी पुस्तक से एक ही व्याख्याएं पूछी जायेगी।
एक पुस्तक से एक ही आलोचनात्मक प्रश्न। आंतरिक विकल्प देय है।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. जयशंकर प्रसाद : आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
2. नया साहित्य : नये प्रश्न आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
3. जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला– डॉ.रामेश्वर खण्डेलवाल
4. प्रसाद और उनका साहित्य : विनोद शंकर व्यास
5. प्रसाद का काव्य : डॉ0 प्रेमशंकर भारती भण्डार, इलाहाबाद
6. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : डॉ.जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
7. प्रसाद का जीवन साहित्य : डॉ0रामरतन भटनागर
8. हिन्दी नाटक : डॉ.बच्चन सिंह
9. प्रसाद का गद्य साहित्य : डॉ.राजमणि शर्मा
10. प्रसाद : दुखान्त नाटक – राधाकृष्ण शुक्ल श्रीमुख
11. नाटक के रंगंमचीय प्रतिमान डॉ.वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी,जगतराम एंड संस, दिल्ली
12. हिन्दी उपन्यास : आचार्य रामचन्द्र तिवारी
13. आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम – आचार्य रामचन्द्र तिवारी
14. हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. (हिन्दी)

तृतीय सत्र

A 05 – सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

काव्य – अनामिका, गीतिका, तुलसीदास, नये पत्ते
कथा साहित्य – बिल्लेसुर बकरिहा, चतुरी चमार, देवी
निबंध – प्रबंध प्रतिमा

अंक विभाजन :

कुल चार व्याख्याएँ (10 x 4 = 40 अंक)
कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न (15 x 4 = 60 अंक)
सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. रामविलास शर्मा : राग–विराग, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
2. रामविलास शर्मा : निराला, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली
3. रामविलास शर्मा : निराला की साहित्य साधना (भाग 1,2 और 3) राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. नंददुलारे वाजपेयी : कवि निराला, वाराणसी
5. बच्चन सिंह : क्रांतिकारी कवि निराला, वाराणसी
6. गंगाप्रसाद पाण्डेय : महाराणा निराला, इलाहाबाद
7. दूधनाथ सिंह : निरालाः एक आत्महंता आस्था, लोकभारी प्रकाशन इलाहाबाद
8. परमानन्द श्रीवास्तव : निराला की कविताएं, इलहाबाद
9. इन्द्रनाथ मदान : निराला : मूल्यांकन, इलाहाबाद
10. जानकी वल्लभ शास्त्री : निराला के पत्र, दिल्ली
11. निराला पंत और पल्लव : लखनऊ

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. (हिन्दी)

तृतीय सत्र

A 06 – पत्रकारिता और जनसंचार

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

हिन्दी पत्रकारिता :
पत्रकारिता की परिभाषा, प्रकृति, उद्देश्य एवं महत्व, पत्रकारिता का इतिहास
पत्रकारिता की विधाएं–प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया
मुक्त प्रेस की अवधारणा, प्रेस कानून और आचार–संहिता। लोकतंत्र का चतुर्थ स्तंभः पत्रकारिता

जनसंचार :
जनसंचार – परिभाषा, प्रकृति, उद्देश्य एवं महत्व।
संचार – परिभाषा, प्रकृति, महत्व एवं प्रकार, जनसंचार के सिद्धान्त
जनसंचार के माध्यम – प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रोनिक मीडिया, परम्परागत माध्यम जनसंचार एवं विकास

रिर्पोटिंग और सम्पादन :
समाचार पत्र संगठन की संरचना (संपादकीय, प्रबंधन व प्रसार की रूपरेखा)

अंक विभाजन :

कुल पाँच प्रश्न	(20 x 4 = 80 अंक)
अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा।	(10 x 2 = 20 अंक)
सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय।	

अनुशंसित ग्रंथ :

हिन्दी पत्रकारिता का वृहद इतिहास : अर्जुन तिवारी
पत्रकारिता एवं संपादन कला : एन.सी.पंत
हिन्दी पत्रकारिता : डॉ.धीरेन्द्रनाथ सिंह
समकालीन पत्रकारिता : मूल्यांकन और मुद्दे – राजकिशोर
जनसम्पर्क एवं विज्ञापन : संतोष गोयल
पत्रकारिता की चुनौतियां : गणेश मंत्री
रूपक लेखन : ब्रजभूषण सिंह

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. (हिन्दी)

तृतीय सत्र

A 07 – लोक साहित्य

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. लोक और लोकवार्ता, लोक संस्कृति की अवधारणा, लोकवार्ता और लोक संस्कृति, लोक संस्कृति और साहित्य, साहित्य और लोक का अंतःसंबंध, लोक साहित्य का अन्य सामजिक विज्ञानों से संबंध, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएं।
2. भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास, लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण, लोकगीत, लोकनाट्य, लोक गाथा, लोकनृत्य एवं नाट्य लोकसंगीत।
   लोक गीत : संस्कारगीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत, जातिगीत।
   लोकनाट्य : रामलीला, रासलीला, कीर्तनियां, स्वांग, यक्षगान, विदेशिया, भांड, तमाशा, नौटंकी, कथकली।
3. हिन्दी लोक नाट्य की परम्परा एवं प्रविधि। हिन्दी नाटक एवं रंगमंच पर लोक नाट्यों का प्रभाव। लोक साहित्य की मौखिक परम्परा।
4. लोक कथा : व्रतकथा, परीकथा, नाग–कथा, कथारूढ़ियां और अंधविश्वास।
5. लोकभाषा : लोक संभाषित मुहावरे कहावतें लोकोक्तियां पहेलियां।

अंक विभाजन :

कुल पाँच प्रश्न (20 x 4 = 80 अंक)
अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा। (10 x 2 = 20 अंक)
सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. बद्रीनारायण : लोकसंस्कृति में राष्ट्रवाद, राधाकृष्ण, नई दिल्ली
   संस्कृति का गद्य पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
   साहित्य और सामाजिक परिवर्तन वाणी, नई दिल्ली
   लोक संस्कृति और इतिहासकथा रूप इतिहास पुस्तिकाक्रम, इलाहाबाद
2. श्यामचरण दुबे : परम्परा, इतिहास बोध और संस्कृति, राधाकृष्ण, नई दिल्ली
   संक्रमण की पीड़ा, वाणी नई दिल्ली
   समय और संस्कृति, वाणी नई दिल्ली
3. डॉ.सत्येन्द्र : लोक साहित्य विज्ञान, शिवलाल अग्रवाल एंड क. आगरा
4. अर्नाल्ड हाउजर : कला का इतिहास दर्शन, ग्रंथ शिल्पी, नई दिल्ली
5. टी. डब्ल्यू एर्डोनो : संस्कृति उद्योग, ग्रंथ शिल्पी, नई दिल्ली
6. कुंदनलाल उप्रेती : लोक साहित्य के प्रतिमान, भारत प्रकाशन मंदिर अलीगढ़
7. डॉ.श्रीराम शर्मा : लोक साहित्य सिद्धांत प्रयोग, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा
8. डॉ.रवीन्द्र भ्रमर : लोक साहित्य की भूमिका, साहित्य सदन कानपुर
9. डॉ.दुर्गा भागवत : भारतीय लोक साहित्य की रूपरेखा, विभु प्रकाशन दिल्ली
10. डॉ.श्याम परमार : लोक साहित्य विमर्श, कृष्णा ब्रदर्स अजमेर
11. दीनेश्वर प्रसाद : लोक साहित्य और संस्कृति, लोकभारती इलाहाबाद
12. सम्मेलन पत्रिका, लोक संस्कृति विशेषांक, प्रयोग, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद
13. सापेक्ष, लोक साहित्य विशेषांक, सं. महावीर अग्रवाल दुर्ग म.प्र.
14. मडई के अंक, सं. डॉ. कालीचरण यादव, बिलासपुर छत्तीसगढ

30/6/16

विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt Registrar (Acad I)
University of Rajasthan

एम.ए. (हिन्दी)

तृतीय सत्र

A 08 – अनुवाद : सिद्धान्त और प्रविधि

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. अनुवाद का अर्थ, स्वरूप एवं प्रकृति । अनुवाद कार्य की आवश्यकता एवं महत्व। बहुभाषी समाज में, परिवर्तन तथा बौद्धिक–सांस्कृतिक आदान–प्रदान में अनुवाद कार्य की भूमिका।
2. अनुवाद के प्रकार : शाब्दिक अुनवाद, भावनुवाद, छायानुवाद एवं सारानुवाद। अनुवाद–प्रक्रिया के तीन चरण– विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन। अनुवाद की भूमिका के तीन पक्ष–पाठक की भूमिका (अर्थग्रहण की) द्विभाषिक की भूमिका (अर्थातंरण की प्रक्रिया) एवं रचयिता की भूमिका (अर्थसम्प्रेषण की प्रक्रिया)
3. सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद की अपेक्षाएं। सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद और तकनीकी अनुवाद में अन्तर। गद्यानुवाद एवं काव्यानुवाद में संरचनात्मक भेद। किन्हीं दो अनूदित कृतियों का समीक्षात्मक अध्ययन।
   I. 'गीताजंलि' का हिन्दी अनुवाद–हंसकुमारी तिवारी
   II. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल द्वारा हिन्दी में किया गया भावानुवाद 'विश्वप्रपंच की भूमिका'।
4. कार्यलयीन अनुवाद : राजभाषा नीति की अनुपालना में धारा 3 (3)के अर्न्गत निर्धारित दस्तावेज का अनुवाद। शासकीय पत्र / अर्धशासकीय पत्र/ परिपत्र (सर्कुलर) / ज्ञापन (प्रजेंटेशन)/ कार्यालय आदेश / अधिसूचना / संकल्प–प्रस्ताव (रेज्योलूशन)/ निविदा–संविदा/ विज्ञापन आदि के संबंधित तकनीकीपरक पारिभाषिक शब्दावली ।
   पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के सिद्धान्त, कार्यालय , प्रशासन विधि, मानविकी बैंक एवं रेलवे में प्रयुक्त होने वाली प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली तथा प्रमुख वाक्यांश के अंग्रेजी तथा हिन्दी रूप।

अंक विभाजन :

कुल पाँच प्रश्न	(20 x 4 = 80 अंक)
अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा।	(10 x 2 = 20 अंक)
सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय।	

अनुशंसित ग्रंथ :

1. अनुवाद सिद्धान्त एवं समस्याएं : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव एवं कृष्णकुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली।
2. अनुवाद विज्ञान एवं संप्रेषण : हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
3. अनुवाद सिद्धान्त : डॉ.भोलानाथ तिवारी, साहित्य सहकार, दिल्ली
4. अनुवाद शिल्पः समकालीन संदर्भ : डॉ.कुसुम अग्रवाल, साहित्य सहकार दिल्ली
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धान्त और व्यवहारः रघुनन्दन प्रसाद शर्मा वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी
6. अनुवाद सिद्धान्त एवं रूपरेखा : डॉ. सुरेश कुमार वाणी प्रकाशन दिल्ली।
7. अनुवाद सिद्धान्त एवं प्रयोग : जी. गोपीनाथ लोकभारती, इलाहाबाद।
8. अनुवाद विज्ञान सिद्धान्त तथा अनुप्रयोग : डा.नगेन्द्र, दिल्ली
9. अनुवाद की सामाजिक भूमिका : सीताराम पालीवाल,. सचिन प्रकाशन, दिल्ली

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan

एम.ए. (हिन्दी)

तृतीय सत्र

A 09 – स्त्री लेखन

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

5. स्त्री की विशिष्ट जैविकता और 'अबलापन' का मिथ, मातृसत्तात्मक समाज, पितृसत्ता की अवधारणा, पुरुष प्रधान सामाजिक संरचना में स्त्री, परिवार का संगठन और स्त्री श्रम, सामाजिक अनुकूलन में धर्म, समाज एवं परिवार की भूमिका, स्त्री यौनिकता, सेक्स बाजार और स्त्री, पूंजीवाद, आधुनिकता और स्त्री, स्त्रीवार की अवधारणा, स्त्रीवादी आंदलोन, भूमंडलीकरण, बाजारवाद और स्त्री, दलित स्त्री, आदिवासी स्त्री।
6. आधुनिक समय में स्त्री–मुक्ति संबंधी चिंतन–जॉन स्टुअर्ट मिल, लेनिन, सीमान द बोउवार, जर्मेन ग्रियर, मैरी वोल्टनक्राफ्ट, महादेवी वर्मा।
7. पाठ : उपन्यास : 1. इदन्नमं (मैत्रेयी, पुष्पा)
   2. माई (गीतांजलि श्री)
   3. कठगुलाब (मृदुल गर्ग)
   4. ऑवा (चित्रा मुद्गल)

8. पाठ : आत्मकथा : अन्या से अनन्या (प्रभा खेतान)
   कविता : कहती हैं औरतें (सं. अनामिका)
   चिंतन : श्रृंखला की कड़ियाँ (महादेवी वर्मा)

अंक विभाजन :

कुल पाँच प्रश्न (20 x 4 = 80 अंक)
अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा। (10 x 2 = 20 अंक)
सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. प्रभा खेतान : बाजार के बीच बाजार के खिलाफ : भूमंडलीकरण और स्त्री के प्रश्न, वाणी प्रकाशन दिल्ली
2. सीमोन द बोउवार : स्त्री उपेक्षिता (अनु प्रभा खेतान) हिन्द पाकेट बुक्स, दिल्ली
3. महादेवी वर्मा : श्रृंखला की कड़ियां, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
4. डॉ.राधा कुमार : अनु. रमाशंकर स्त्री संघर्ष का इतिहास, वाणी प्रकाशन दिल्ली
5. रमणिका गुप्ता : स्त्री विमर्श शिल्पायन, दिल्ली
6. राजकिशोर सं. : स्त्री के लिए जगह, वाणी प्रकाशन
7. राजेन्द्र यादव : आदमी की निगा में औरत, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
8. अरविन्द जैन : औरत होने की सजा, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
9. क्षमा शर्मा : स्त्री का समय मेधा बुक्स दिल्ली
10. जगदीश्वर चतुर्वेदी : स्त्रीवादी साहित्य विमर्श, अनामिका पब्लिशर्स नई दिल्ली
11. जगदीश्वर चतुर्वेदी : स्त्री काव्यधारा, अनामिका पब्लिशर्स नई दिल्ली
12. रेखा कस्तवार : स्त्री चिंतन की चुनौतियां, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
13. विमल थोरात : दलित साहित्य का स्त्रीवादी स्वर, अनामिका पब्शिर्स नई दिल्ली

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. (हिन्दी)

तृतीय सत्र

A 10 – प्रयोजनमूलक हिन्दी

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. मातृभाषा एवं अन्य भाषा के रूप में हिन्दी, सम्पर्क भाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, बोलचाल की सामान्य हिन्दी, मानक हिन्दी और साहित्यिक हिन्दी, संविधान में हिन्दी।
2. हिन्दी भाषा की सामाजिक शैलियां : हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी। मौलिक और लिखित हिंदी, हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास, मानक हिन्दी संकल्पना, हिन्दी का मानकीकरण।
3. हिन्दी के प्रयोग क्षेत्र : भाषा –प्रयुक्ति की संकल्पना, वार्ता, क्षेत्र, वार्ता प्रकार और वार्ता शैली के आधार पर हिन्दी की प्रमुख प्रवृत्ति, क्षेत्र साहित्यिक हिन्दी बनाम प्रयोजनमूलक हिन्दी का प्रयोजन एवं उसकी उपयोगिता।
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी के कुछ प्रमुख प्रकार : कार्यालयी हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, वैज्ञानिक हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, वृत्तिपरक हिन्दी (लुहार, कुम्हार, सोनार आदि से संबंधित प्रयुक्तियां), व्यावसायिक हिन्दी और उसके लक्षण, संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र) की हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण विज्ञान की हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण।
5. भाषा व्यवहार : सरकारी पत्राचार, टिप्पणी तथा मसौदा–लेखन, सरकारी अथवा व्यावसायिक हिन्दी में सार–लेखन, हिन्दी में पारिभाषिक शब्द निर्माण विज्ञान, प्रस्तुति, वृत्तिपरक लेखन।

अंक विभाजन :

कुल पाँच प्रश्न (20 x 4 = 80 अंक)
अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा। (10 x 2 = 20 अंक)
सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ. दंगल झाल्टे
2. कार्यालय कार्यबोध – हरिबाबू कंसल
3. कामकाजी हिन्दी – डॉ.कैलाशनाथ भाटिया
4. हिन्दी उर्दू और हिन्दुस्तानी पद्‌म सिंह वर्मा
5. व्यवाहारिक हिन्दी – कृष्ण विकल
6. हिन्दी का सामाजिक संदर्भ – डॉ.रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव एवं रमानाथ सहाय केन्द्रीय हिन्दी संस्थान आगरा
7. राष्ट्रभाषा और हिन्दी – डॉ. राजेन्द्र मोहन भटनागर, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान आगरा
8. भाषा आन्दोलन – सेठ गोविन्द दास, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
9. हिन्दी भाषा की सामाजिक भूमिका – डॉ.भोलानाथ तिवारी एवं मुकुल प्रियदर्शनी दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा मद्रास।
10. सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग – गोपीनाथ श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद।
11. प्रयोजनमूलक हिन्दी डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव केन्द्रीय हिन्दी संस्थान आगरा
12. प्रशासनिक हिन्दी निपुणता – हरिबाबू कंसल प्रभात प्रकाशन दिल्ली
13. आवेदन प्रारूप – डॉ.एस.एन.चतुर्वेदी अक्षर प्रकाशन दिल्ली
14. कार्यालयी हिन्दी – विजयपाल सिंह
15. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और व्यवहार – रघुनंदन प्रसाद शर्मा

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. (हिन्दी)

चतुर्थ सत्र

HIN-401

प्रथम प्रश्न पत्र : हिन्दी आलोचक और आलोचना

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. नगेन्द्र, नंददुलारे वाजपेयी, रामविलास शर्मा, के आलोचना--कर्म का सम्यक् परिशीलन।
2. प्रसाद, प्रमचंद, अज्ञेय, मुक्तिबोध, और विजयदवनारायण साही के साहित्य चिंतन का आकलन।

अंक विभाजन :

कुल पाँच प्रश्न (20 x 4 = 80 अंक)
अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा। (10 x 2 = 20 अंक)
सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय।
दोनो इकाईयों से प्रश्न अपेक्षित।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिन्दी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल दिल्ली
2. हिन्दी आलोचना का विकास – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. हिन्दी आलोचक : शिखरों का साक्षात्कार – रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती, इलाहाबाद
4. आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
5. रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना – रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली
6. दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह, राजकमल, दिल्ली
7. साहित्य का नया शास्त्र – गिरीजा राय, इलाहाबाद
8. हिन्दी काव्यशास्त्र पर आचार्य मम्मट का प्रभाव – राधेश्याम राय, क्लासिकल पब्लिशिंग क.,नई दिल्ली
9. समकालीन हिन्दी आलोचना और आलोचना : रामबक्ष
10. नामवर सिंह : आलोचना की दूसरी परम्परा (सं. कमला प्रसाद) वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
11. आलोचक और आलोचना : कमला प्रसाद, आधार प्रकाशन पंचकूला
12. आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम – आचार्य रामचन्द्र तिवारी
13. आलोचक का दायित्व – डॉ.रामचन्द्र तिवारी
14. आधुनिक हिन्दी आलोचना : संदर्भ एवं दृष्टि – डॉ.रामचन्द्र तिवारी
15. कृति चिंतन और मूल्यांकन – डॉ.रामचन्द्र तिवारी
16. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : रामचन्द्र तिवारी
17. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल आलोचना कोष : रामचन्द्र तिवारी

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. (हिन्दी)

चतुर्थ सत्र

HIN-402

द्वितीय प्रश्न पत्र : पाश्चात्य आलोचना

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. प्लेटो – प्रत्यय सिद्धान्त, काव्य प्रेरणा, अनुकृति, काव्य पर आरोप।
2. अरस्तू – अनुकृति, विरेचन, त्रासदी, प्लेटो और अरस्तू।
3. लोंजाइनस – काव्य में उदात्त की अवधारणा।
4. वड्सवर्थ – काव्य भाषा का सिद्धान्त
5. कॉलरिज – कल्पना और फैन्टेसी।
6. क्रोचे – अभिव्यंजनावाद
7. टी.एस.एलियट – परम्परा और वैयक्तिक प्रतिभा, निवैयक्तिकता का सिद्धांत,
8. आई.ए.रिचड्स – मूल्य सिद्धान्त, सम्प्रेषण सिद्धान्त।
9. नई समीक्षा की प्रमुख अवधारणाएं
10. मार्क्सवादी समीक्षा
11. आधुनिकता एवं औपनिवेशिता, शास्त्रीयतावाद (क्लासिसिज्म) और स्वच्छंदतावाद (रोमांटिसिज्म), यर्थाथवाद, साहित्य का समाज शास्त्र, साहित्यिक शैली विज्ञान, संरचानवाद, विखण्डनवाद, उत्तर आधुनिकता,

अंक विभाजन :

कुल पाँच प्रश्न (20 x 4 = 80 अंक)
अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा। (10 x 2 = 20 अंक)
सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. लिटरेरी क्रिटिसिज्म – ए शार्ट हिस्ट्रीः विम्डासाट विलियम के ऐंड क्लीन्थ ब्रुक्स, लंदन।
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा नेशनल पब्लिशिंग, दिल्ली
3. नई समीक्षा के प्रतिमान – निर्मला जैन, राजकमल, दिल्ली
4. कविता के नये प्रमिमान – नामवर सिंह, राजकमल, दिल्ली
5. पाश्चात्य साहित्य चिंतन – निर्मजा जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
6. आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. साहित्य की समाजशास्त्र की भूमिका – मैनेजर पाण्डेय, हरियाण ग्रंथ अकादमी, पंचकूला
8. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धान्त और वाद – डॉ.भागीरथ कृष्ण
9. आलोचक का दायित्व – डॉ.रामचन्द्र तिवारी
10. आधुनिक हिन्दी आलोचना : संदर्भ एवं दृष्टि – डॉ.रामचन्द्र तिवारी
11. आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम – आचार्य रामचन्द्र तिवारी
12. कृति चिंतन और मूल्यांकन संदर्भ – डॉ.रामचन्द्र तिवारी

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan

एम.ए. (हिन्दी)

चतुर्थ सत्र

HIN-403

तृतीय प्रश्न पत्र : हिन्दी नाटक और रंगमंच

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. भारत दुर्दशा : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
2. चन्द्रगुप्त : जयशंकर प्रसाद
3. आधे – अधूरे : मोहन राकेश
4. कथा एक कंस की : दयाप्रकाश सिन्हा

अंक विभाजन :

चार व्याख्याएँ (10 x 4 = 40 अंक)
चार आलोचनात्मक प्रश्न (15 x 4 = 60 अंक)
सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास – दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, दिल्ली
2. पहला रंग – देवेन्द्रराज अंकुर, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
3. रंग परम्परा – नेमिचन्द जैन
4. जयशंकर प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ शर्मा
5. नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान – वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, जगतराम एंड संस, दिल्ली
6. हिन्दी नाट्यशास्त्र का स्वरूप – डॉ. नर्वदेशर राय, हिन्दी ग्रंथ कुटीर, पटना
7. जयशंकर प्रसाद : रंगदृष्टि – रा.ना.वि. नई दिल्ली
8. रंग हबीब – भारतरत्न भार्गव
9. समकालीन हिन्दी नाटक की संघर्ष चेतना – गिरीश रस्तोगी, हरियाणा साहित्य अकादमी चंडीगढ़
10. मोहन राकेश : आभा गुप्ता, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
11. नाटक और रंग परिकल्पना – डॉ. गिरीश रस्तोगी

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. (हिन्दी)

चतुर्थ सत्र

B 01 – तुलसीदास

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. रामचरित मानस : अयोध्याकाण्ड (दोहा संख्या 67 से 185 तक) गीताप्रेस, गोरखपुर
2. कवितावली गीताप्रेस, गोरखपुर (केवल उत्तर काण्ड, 30 छंद) छंद संख्या 29,35, 37, 44, 45, 60, 67, 73, 74, 84, 88, 89, 102, 103, 108, 119, 122, 126, 132, 134, 136, 140, 141, 146, 153, 155, 161, 165, 182, 229
3. गीतावली (केवल बालकाण्ड 20 पद) गीताप्रेस गोरखपुर – पद संख्या 7, 8, 9, 10, 18, 24, 26, 31, 33, 36, 44, 73, 95, 97, 101, 104, 105, 106, 107, 110
4. विनय पत्रिका–गीताप्रेस गोरखपुर (चुने हुए कुल 40 पद) पद संख्या 1, 5, 17, 30, 36, 41, 45, 72, 78, 79, 85, 89, 90, 94, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 111, 113, 114, 115, 121, 159, 160, 164, 165, 166, 167, 182, 201, 269, 272

अंक विभाजन :

चार व्याख्याएँ (10 x 4 = 40 अंक)
चार आलोचनात्मक प्रश्न (15 x 4 = 60 अंक)
व्याख्या एवं प्रश्न सभी इकाईयों से अपेक्षित है।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. गोस्वामी तुलसीदास– आ. रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. मानस दर्शन – डा. श्रीकृष्णलाल, अरनंद पुस्तक भवन, काशी।
3. तुलसी और उनका युग – डॉ. राजपति दीक्षित, ज्ञानमंडल, काशी।
4. रामकथा का विकास – कामिल बुल्के हिन्दी परिषद, प्रयाग।
5. मानस की रूसी भूमिका (हिन्दी अनुवाद) – वारान्निकोव, विद्यामंदिर, लखनऊ।
6. तुलसीदास – ग्रियर्सन राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
7. गोसाईं तुलसीदास – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, वाराणसी
8. तुलसी आधुनिक वातायन से – रमेश कुंतल मेघ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. परम्परा का मूल्यांकन – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. भक्तिकाव्य और लोक जीवन – शिवकुमार मिश्र, दिल्ली
11. भक्तिकाव्य की भूमिका – प्रेमशंकर, नई दिल्ली
12. लोकवादी तुलसीदास – विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली
13. भक्तिकाल में भारतीय रहस्यवाद – राधेश्याम दूबे, संजय बुक सेन्टर वाराणसी
14. तुलसी : एक पुनर्मूल्यांकन – सं. अजय तिवारी, आधार प्रकाशन, पंचकूला
15. मध्ययुगीन काव्य साधना – आचार्य रामचन्द्र तिवारी

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan

एम.ए. (हिन्दी)

चतुर्थ सत्र

B 02 – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. भारतेन्दु के निबंध – सं. डॉ.केशरीनारायण शुक्ल, सरस्वती मंदिर, वाराणसी
2. भारतैन्दु ग्रंथावली भाग –1, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3. भारतेन्दु ग्रंथावली भाग –2, नागरी प्रचारिणी सभा काशी (प्रेम मालिका, प्रेम सरोवर, प्रेम माधुरी, प्रेमाश्रुवर्षन, प्रेमप्रलाप, कृष्णचरित्रमाला।)

अंक विभाजन :

चार व्याख्याएँ (10 x 4 = 40 अंक)
चार आलोचनात्मक प्रश्न (15 x 4 = 60 अंक)
सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. भारतेन्दु और उनके सहयोगी – डॉ किशोरी लाल गुप्त, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी
2. भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परम्परा – डॉ.रामविलास शर्मा राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
3. पत्र–पत्रिकाओं का इतिहास – डॉ.रामरतन भटनागर।
4. आधुनिक हिन्दी साहित्य – डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, हिन्दी परिषद् प्रयाग
5. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र – डॉ.रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
6. भारतेन्द्र हरिश्चन्द्र – एक व्यक्तित्व चित्र – ज्ञानचंद जैन

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. (हिन्दी)

चतुर्थ सत्र

B 03 – प्रेमचन्द

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

उपन्यास – सेवासदन, प्रेमाश्रम, गबन, कर्मभूमि
नाटक – कर्बला
आलोचना – साहित्य का उद्देश्य
कहानियां – कफन, पूस की रात, शतरंज के खिलाड़ी, नशा, सवा सेर गेहूं, सदगति, मनोवृत्ति, ठाकुर का कुंआ, रामलीला, पंच परमेश्वर, ईदगाह, लाटरी, दाम, दो बैलों की कथा।

अंक विभाजन :

चार व्याख्याएँ (10 x 4 = 40 अंक)
चार आलोचनात्मक प्रश्न (15 x 4 = 60 अंक)
व्याख्या एवं प्रश्न सभी इकाईयों से अपेक्षित है।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. प्रेमचंद : घर में – शिवरानी देवी
2. प्रेमचंद : एक विवेचन – इन्द्रनाथ मदान
3. प्रेमचंद और उसका युग – रामविलास शर्मा
4. प्रेमचंद : कलम का सिपाही – अमृतराय
5. प्रेमचंद : मदन गोपाल
6. प्रेमचंद : जीवन कला एवं कृतित्व – हंसराज रहबर
7. प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचन – नदंदुलारे वाजपेयी
8. कथाकार प्रेमचंद : मन्मनाथ गुप्त
9. प्रेमचंद : एक अध्ययन – राजेश्वर गुरू
10. प्रेमचंद की उपन्यास कला – जनार्दन प्रसाद राय
11. प्रेमचंद एवं भारतीय किसान – रामवक्ष
12. प्रेमचंद : गंगा प्रसाद विमल
13. प्रेमचंद के साहित्य सिद्धान्त – नरेन्द्र कोहली
14. प्रेमचंद : कला एवं व्यक्तित्व – जैनेन्द्र
15. प्रेमचंद : स्मृति – सं. अमृतराय
16. प्रेमचंद : चिंतन और कला – सं. इन्द्रनाथ मदान
17. प्रेमचंद और गोर्की – श्री मधु प्रगति प्रकाशन मास्को
18. हिन्दी उपन्यास : विशेषतः प्रेमचंद – नलिन विलोचन शर्मा
19. हिन्दी उपन्यास – आचार्य रामचन्द्र तिवारी
20. आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम– आचार्य रामचन्द्र तिवारी
21. नयी कहानी : परिवेश और परिप्रेक्ष्य – डॉ.रामकली सर्राफ
22. हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. (हिन्दी)

चतुर्थ सत्र

B 04 – रामचन्द्र शुक्ल

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. चिंतामणि भाग –1, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. चिंतामणि भाग –2, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3. चिंतामणि भाग –3, सं. डॉ.नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
4. रस मीमांसा – सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
   व्याख्या केवल चिंतामणि (1, 2 एवं 3) से पूछी जायेगी।

अंक विभाजन :

चार व्याख्याएँ (10 x 4 = 40 अंक)
चार आलोचनात्मक प्रश्न (15 x 4 = 60 अंक)
सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिन्दी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल दिल्ली
2. हिन्दी आलोचना का विकास – नंदकिशोर नवल, राजकमल दिल्ली
3. हिन्दी आलोचक : शिखरों का साक्षत्कार – रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती, इलाहाबाद
4. आलोचक के बदलते मानदंड और हिन्दी साहित्य – शिवकरण सिंह, किताब महल, इलाहाबाद
5. आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
6. रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना : रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली
7. दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह, राजकमल दिल्ली
8. साहित्य का नया शास्त्र – गिरिजा राय, इलाहाबाद
9. हिन्दी काव्यशास्त्र पवर आचार्य मम्मट का प्रभाव – राधेश्याम राय, क्लासिकल पब्लिशिंग नई दिल्ली
10. रामचन्द्र शुक्ल मलयज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. (हिन्दी)

चतुर्थ सत्र

B 05 – राजस्थानी भाषा और साहित्य

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

क. **राजस्थानी भाषा :**

1. भारतीय भाषाओं में राजस्थानी का महत्व, राजस्थानी की प्रमुख विशेषताएं एवं प्रमुख बोलियाँ।
2. राजस्थानी भाषा का इतिहास।

ख. **राजस्थानी साहित्य :**

1. राजस्थानी गद्य एवं पद्य – गद्य और पद्य में निर्धारित पाठ्य ग्रंथ ये हैं :–

गद्य : 1. राजस्थानी गद्य चयनिका सं. ब्रजनारायण पुरोहित प्र. श्याम प्रकाशन, जयपुर।
2. अचलदास खींची री वचनिका – संपादक भूपतिराम साकरिया, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।

पद्य : 1. वेलि क्रिसन रूक्मणी री : पृथ्वीराज राठौड़ सं. नरोत्तमदास स्वामी – श्रीराम मेहरा एण्ड कम्पनी, आगरा (प्रारम्भ के 225 छंद वसन्त वर्णन से पूर्व तक)
2. राजस्थानी रसधारा – डॉ.शम्भूसिंह मनोहर, श्याम प्रकाशन, जयपुर

अंक विभाजन :

चार व्याख्याएँ (दो व्याख्या गद्य की पुस्तक से तथा दो पद्य की पुस्तक से) (10 x 4 = 40 अंक)
आन्तरिक विकल्प देय
चार आलोचनात्मक प्रश्न (15 x 4 = 60 अंक)
आन्तरिक विकल्प देय।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. सुनीति कुमार चटर्जीः राजस्थानी शोध संस्थान उदयपुर।
2. डॉ0 तेसीतोरी (अनु. डॉ0 नामवर सिंह): पुरानी राजस्थानी, ना0 प्रचा. सभा,वाराणसी
3. सीताराम लालसः राजस्थानी व्याकरण, जोधपुर।
4. डॉ0 नरोत्तमस्वामीः संक्षिप्त राजस्थानी व्याकरण,सार्दुल, राजस्थानी रिसर्च।
5. डॉ0 मोतीलाल मेनारियाः राजस्थानी भाषा और साहित्य, हिन्दी साहित्य सम्मेलन,प्रयाग
6. ग्रियर्सन : राजस्थान भाषा सर्वेक्षण (अनु. डॉ0आत्माराम जाडोरिया, राजस्थान भाषा प्रचार सभा, जयपुर।
7. डॉ0 भूपतिराम साकरिया तथा बद्री प्रसाद साकरियाः राजस्थानी हिन्दी – भाषा कोष भाग –2, पंचशील जयपुर
8. डॉ0 कृष्णबिहारी सहल : ढोला मारू रा दूहा : एक अध्ययन, आत्माराम एंड संस दिल्ली
9. श्रीमति ऊषा शर्मा : रूकमणहरण फूलाकृतः विश्लेषण एवं मूल्याकंन, ऊषा पब्लिशिंग हाउस, जोधपुर।
10. डॉ0 शिवस्वरूप शर्मा (संपा.) : राजस्थानी गद्यउद्भव और विकास, सार्दुल राजस्थानी रिसर्च इन्स्टीट्सूट, बीकानेर।
11. डॉ0 किरण नाहटा : आधुनिक राजस्थानी सहित्यः प्रेरणास्त्रोत और प्रवृतियाँ
12. डॉ0 शंभूसिंह मनोहर : राजस्थानी शोध निंबध।

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. (हिन्दी)

चतुर्थ सत्र

B 06 – हिन्दी सिनेमा

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. सिनेमा और समाज–विश्व में सिनेमा का उदय, मध्यवर्ग, आधुनिकता और सिनेमा। मनोरंजन माध्यमों का जनतांत्रीकरण और सिनेमा, सिनेमा और समाज, सिनेमा की सामाजिक भूमिका, सिनेमा : कला या मनोरंजन, मनोरंजन माध्यमों की राजनीति, साहित्य और सिनेमा, प्रमुख सिने सिद्धान्त।
2. सिनेमा तकनीकी पक्ष : फिल्म निर्माण की प्रक्रिया, सिनेमा : सृजन की सामूहिकता, सिनेमायी भाषा, निर्देशन, पटकथा, छायांकन, सिने संगीत, अभिनय और सम्पादन, सेंसर बोर्ड, सिनेमा का वितरण और व्यवसाय, सिनेमाघर।
3. हिन्दी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास : प्रारंभिक दौर का सिनेमा, स्वतंत्रता आन्दोलन और हिन्दी सिनेमा, भारतीय मध्यवर्ग और हिन्दी सिनेमा, भारतीय लोकतंत्र और हिन्दी सिनेमा, सिनेमा में भारतीय समाज का यथार्थ, सिनेमाई यथार्थवाद और सामानान्तर सिनेमा, भूमंडलीकरण, बाजारवाद और हिन्दी सिनेमा, बाल फिल्में, तकनीकी क्रांति और हिन्दी सिनेमा।
4. साहित्य और सिनेमा : अंतस्संबंध : सिनेमा और उपन्यास, संवेदना का रूपान्तरण और तकनीकी उलझनें।
5. पाठ – पाठांतर (नाटक) : मृच्छकटिक (शूद्रक) – उत्सव (गिरीश कर्नाड) यहूदी की लड़की (आगा हश्र कश्मीरी) – मेकबेथ (शेक्सपियर) – मकबूल (विशाल भारद्वाज), फादर (स्टिंगवर्ग) – पिता (गोविन्द निहालानी), लर्नेड अल्वास हाउस (लोर्का) – रूकमावती की हवेली (गोविन्द निहलानी)
6. पाठ – पाठांतर (कथा) : रेनकोट (ऋतुपर्णा घोष)। सद्गति (प्रेमचंद)–(सत्यजीत राय)। यही सच है (मन्नू भण्डारी)–रजनीगंधा। तिरिया चरितर (शिवमूर्ति) – तिरिया चरितर (बासु भट्टाचार्य)। दुविधा (विजय दान देथा) – पहेली (अमोल पालेकर)।
7. पाठ – पाठांतर (उपन्यास) : गोदान (प्रेमचन्द) – गोदान। चित्रलेखा (भगवती चरण वर्मा)। तमस (भीष्म साहनी) – तमस (गोविन्द निहलानी)। नौकर की कमीज (विनोद कुमार शुक्ल) – नौकर की कमीज (मणि कौल)। पिंजर (अमृता प्रीतम)–पिंजर (चन्द्र प्रकाश द्विवेदी)।

अंक विभाजन :

कुल पाँच प्रश्न	(20 x 4 = 80 अंक)
अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा।	(10 x 2 = 20 अंक)
सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय।	

अनुशंसित ग्रंथ :

1. जवरीमल्ल पारख,जनसंचार माध्यमों का राजनीतिक चरित्र, अनामिका पब्लिशर्स।
2. रामअवतार अग्निहोत्री, आधुनिक हिन्दी सिनेमा का सामाजिक व राजनीतिक अध्ययन, कामनवेल्थ पब्लिशर्स
3. जवरीमल्ल पारख, लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ, अनामिका पब्लिशर्स
4. विजय अग्रवाल, आज का सिनेमा, नीलकंठ प्रकाशन
5. जवरीमल्ल पारख, हिन्दी सिनेमा का समाजशास्त्र, ग्रंथ शिल्पी प्रकाशन
6. विनोद दास, भारतीय सिनेमा का अंतःकरण, मेधा बुक्स
7. विजय अग्रवाल, सिनेमा और समाज, सत्साहित्य प्रकाशन
8. विनोद भारद्वाज, नया सिनेमा रूपा एंड कम्पनी
9. विजय अग्रवाल, सिनेमा की संवदेना, प्रतिमा प्रतिष्ठान
10. विजय अग्रवाल, सिनेमा और समाज, सत्साहित्य प्रकाशन दिल्ली
11. प्रहलाद अग्रवाल, आधी हकीकत आधा फसाना, राजकमल प्रकाशन प्रा.लि. नई दिल्ली

30/6/14 विभागाध्यक्ष हिन्दी विभाग विश्वविद्यालय

12. विष्णु खरे, सिनेमा पढ़ने के तरीके, प्रवीण प्रकाशन नई दिल्ली
13. चिदानन्द दास गुप्ता, सत्यजीत राय का सिनेमा, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
14. विनोद दास, भारतीय सिनेमा का अंतःकरण, मेधा बुक्स, दिल्ली
15. तारकोवस्की, अनंत में फैलते बिंब, संवाद प्रकाशन, मुम्बई : मेरठ
16. जवरीमल्ल पारख, जनसंचार माध्यमों का सामाजिक चरित्र : अनामिका पब्लिशर्स दिल्ली
17. जगदीश्वर चतुर्वेदी, जनमाध्यम और मास कल्चर : सारांश प्रकाशन नई दिल्ली

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. (हिन्दी)

चतुर्थ सत्र

B 07 – दलित साहित्य

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. जूठन – ओम प्रकाश वाल्मीकि
2. दलित कहानी संचयन : सं. रमणिका गुप्ता (हिन्दी कहानियाँ मात्र)
3. वर्ग व्यवस्था और शूद्र, सामंतवादी समाज में जाति व्यवस्था, शूद्र वर्ग में जातियां और स्तर भेद, स्वतंत्रता संग्राम और दलित प्रश्न, अंबेडकर के सार्थक प्रयास और दलित वर्ग में जागरण, आधुनिकता के प्रश्न और दलित। भारतीय संविधान में दलितों के अधिकार, दलित मध्यवर्ग का उभार, दलित स्त्रियां, दलित नवजागरण।
4. भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य, दलित और भक्ति–आन्दोलन, दलित साहित्य का वैकल्पिक सौन्दर्यशास्त्र, दलित साहित्य में सहानुभूति बनाम स्वानुभूति, प्रेमचंद और निराला का दलित समाज संबंधी साहित्य।

अंक विभाजन :

1. प्रथम दो खण्ड से दो–दो व्याख्याएँ पूछी जायेंगी। (9 x 4 = 36 अंक)
2. सभी चारों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। (16 x 4 = 64 अंक)
   आंतरिक विकल्प देय

अनुशंसित ग्रंथ :

1. दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र – ओम प्रकाश वाल्मीकि
2. युद्धरत आम आदमी – सं. रमणिक गुप्ता (पत्रिका) दलित अंक
3. दलित साहित्य – अंक 2002, अंक 2003 सं. जयप्रकाश कर्दम
4. हरिजन से दलित – सं. राजकिशोर, वाणी प्रकाशन
5. आधुनिकता का आइने में दलित – सं. अभय कुमार दुबे, वाणी प्रकाशन
6. वसुधा (पत्रिका) 58वां अंक, मध्य प्रदेश प्रगतिशील लेखक संघ
7. दलित और अश्वेत साहित्य – कुछ विचार, सं. चमन लाल, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. (हिन्दी)
चतुर्थ सत्र

B 08 – संत काव्य

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. गोरखबानी : सं. डॉ. पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल – हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग। (आरंभिक 75 सबदिया)।
2. संत काव्य संग्रह : (सं. परशुराम चतुर्वेदी, नया संस्कष, किताब महल, इलाहाबाद)–कबीर 21 से 40, नानक संपूर्ण, नामदेव संपूर्ण, रैदास संपूर्ण, सहजो संपूर्ण, सुन्दरदास (मेशचंद्र मिश्र) संपूर्ण, रज्जब संपूर्ण, पलटू संपूर्ण, नामदेव संपूर्ण, तुकाराम (भालचंद्र नेमाड़े), मलूकदास बलदेव बंशी, दादूदयाल--रामवक्ष

अंक विभाजन :

कुल पाँच प्रश्न (20 x 4 = 80 अंक)
अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा। (10 x 2 = 20 अंक)
सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. नाथ सम्प्रदाय – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, नैवेद्य निकेतन, वाराणसी।
2. हिन्दी साहित्य में निर्गुण में सम्प्रदाय – डॉ. पीताम्बर, बड़थ्वाल।
3. संत साहित्य – डॉ. राधेश्याम दूबे, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. हिन्दी काव्य की निर्गुणधारा में भक्ति – डॉ.श्यामसुन्दर शुक्ल, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी।
5. उत्तरी भारत की संत परम्परा – डॉ.परशुराम चतुर्वेदी, किताब महल, प्रयाग।

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad.)
University ...

एम.ए. (हिन्दी)
चतुर्थ सत्र

B 09 – आधुनिक भारतीय साहित्य

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

क. वेदों और उपनिषदों का सामान्य स्वरूप और उनका भारतीय साहित्य पर प्रभाव, रामायण, महाभारत, पुराण का सामान्य परिचय और भारतीय साहित्य पर उनका प्रभाव।

ख. बौद्ध और जैन धर्म का भारतीय साहित्य पर प्रभाव, वेदांत – शंकर रामानुज, वल्लभ आदि मध्ययकालीन दार्शनिकों का अवदान, शैवमत तथा मध्यकालीन साहित्य पर उसका प्रभाव।

ग. भागवत सम्प्रदाय, वैष्णव मत – मध्यकालीन साहित्य पर उसका प्रभाव, इस्लाम और सूफीमत – उसका भारतीय साहित्य और संस्कृति पर प्रभाव, भक्ति आंदोलन और भारतीय साहित्य।

घ. स्वाधीनता संग्राम और भारतीय नवजागरण तथा भारतीय साहित्य पर उसका प्रभाव भारतीय साहित्य और राष्ट्रीयता। गांधीवाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद और अस्तित्ववाद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव।

ड. आधुनिक भारतीय साहित्य

निर्धारित पुस्तकें :

1. गीतांजलि – रवीन्द्रनाथ टेगौर,अनु. प्रयाग शुक्ल वागदेवी प्रकाशन, बीकानेर
2. सुबहण्यम् भारती की कविताएं – एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली
3. उज्जयिनी – ओ.एन.वी.कुरूप अनु. : एन.ई. विश्वनाथ अय्यर, साहित्य भण्डार, इलाहाबाद
4. मूक माटी – आचार्य विद्यासागर, भारतीय ज्ञान पीठ, लोदी रोड़ नई दिल्ली

अंक विभाजन :

कुल पाँच प्रश्न (20 x 4 = 80 अंक)
अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा। (10 x 2 = 20 अंक)
सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्य – डॉ.भोलाशंकर व्यास
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ.बलदेव उपाध्याय
3. भारतीय दर्शन – डॉ.बलदेव उपाध्याय
4. भागवत सम्प्रदाय – डॉ.बलदेव उपाध्याय
5. सूफीमत : साधना और साहित्य – डॉ. रामपूजन तिवारी
6. संस्कृति के चार अध्याय – दिनकर
7. भारतीय साहित्य – डॉ.नगेन्द्र
8. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएं – डॉ.रामविलास शर्मा
9. भारतीय चिंतन की परम्परा – के दामोदरन
10. आधुनिक भारतीय चिंतन – डॉ. विश्वनाथ नरवण
11. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास – डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी
12. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति – डॉ. कपिल देव द्विवेदी

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

Univeristy of Rajasthan
SYLLABUS

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

एवं

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी

का पाठ्यक्रम

प्रस्तावित पाठ्क्रम निम्न सत्रों से प्रभावी होगा

1. एम.ए. (पूर्वार्द्ध)	–	2014–2015 से
2. एम.ए. (उत्तरार्द्ध)	–	2015–2016 से

30/6/14

विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
Jaipur

38

SCHEME OF EXAMINATION
(Annual Scheme)

Each Theory Paper	**3 hrs. duration**	**100 Marks**
Dissertation Thesis/ Survey Report/ Field Work, if any.		**100 Marks**

2. The number of papers and the maximum marks for each paper/practical shall be shown in the syllabus for the subject concerned. It will be necessary for a candidate to pass in the theory part as well as in the practical part (wherever prescribed) of a subject/paper separately.

3. A candidate for a pass at each of the Previous and the Final Examinations shall be required to obtain (i) atleast 36% marks in the aggregate of all the papers prescribed for the examination and (ii) atleast 36% marks in practical(s) wherever prescribed at the examination, provided that if a candidate fails to secure atleast 25% marks in each individual paper at the examination and also in the dissertation/ survey report/field work, wherever prescribed, he shall be deemed to have failed at the examination , notwithstanding his having obtained the minimum percentage of marks required in the aggregate for that examination. No division will be awarded at the Previous Examination. Division shall be awarded at the end of the Final Examination on the combined marks obtained at the Previous and the Final Examinations taken together, as noted below:

First Division 60% }	of the aggregate marks taken together
Second Division 48%	of the Previous and the Final Examinations.

All the rest will be declared to have passed the examination.

4. If a candidate clears any papers(s) / Practical's) / Dissertation prescribed at the Previous and/or Final Examination after a continuous period of three years, then for the purpose of working out his division the minimum pass marks only viz. 25% (36% in the case of practical) shall be taken into account in respect of such Paper(s) / Practical(s)/ Dissertation are cleared after the expiry of the aforesaid period of three years; provided that in case where a candidate requires more than 25% marks in order to each the minimum aggregate as many marks out of those actually secured by him will be taken into account as would enable him to make up the deficiency in the requisite minimum aggregate.

5. The Thesis/ Dissertation! Survey Report Field Work shall be type-written and submitted in triplicate so as to reach the office of the Registrar at least 3 weeks before the commencement of the theory examinations. Only such candidates shall be permitted to offer Dissertation/ Field Work! Survey Report Thesis (if provided in the scheme of examination) in lieu of a paper as have secured at least 55% marks in the aggregate of all the papers prescribed for the previous examination in the case of annual scheme and I and II semester examinations taken together in the case of semester scheme, irrespective of the number of papers in which a candidate actually appeared at the examination.

N.B. Non-collegiate candidates are not eligible to offer dissertation as per provisions of O. 170-A.

30/6/14 विभागाध्यक्ष हिन्दी विभाग मान विश्वविद्यालय जयपुर

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

प्रथम प्रश्न पत्र	:	हिन्दी साहित्य का इतिहास
द्वितीय प्रश्न पत्र	:	मध्यकालीन काव्य
तृतीय प्रश्न पत्र	:	साहित्य शास्त्र (भारतीय तथा पाश्चात्य)
चतुर्थ प्रश्न पत्र	:	हिन्दी गद्य (उपन्यास,कहानी एवं अन्य गद्य विधाएँ)

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी

प्रथम प्रश्न पत्र	:	हिन्दी गद्य (नाटक, निबंध एवं आलोचना)
द्वितीय प्रश्न पत्र	:	प्राचीन एवं निर्गुण काव्य
तृतीय प्रश्न पत्र	:	भाषा विज्ञान
चतुर्थ प्रश्न पत्र	:	आधुनिक काव्य
पंचम प्रश्न पत्र	:	विशिष्ट अध्ययन (कोई एक)

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

प्रथम प्रश्न पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

हिन्दी साहित्येतिहास के लेखन का इतिहास, काल विभाजन एवं नामकरण, आदिकालीन काव्यधाराएं– सिद्धनाथ एवं जैन साहित्य, प्रमुख रासो काव्य और उनकी प्रामाणिकता, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति की कीर्तिलता और पदावली, आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सामान्य विशेषताएं।

मध्यकाल : भक्ति आंदोलन, उदय के सामाजिक–सांस्कृतिक कारण, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्तःप्रादेशिक वैशिष्ट्य।

हिन्दी संत काव्य – वैचारिक आधार, भारतीय धर्म साधना और हिन्दी का संत काव्य, प्रमुख संत कवि – कबीर, नानक, दादू, रैदास, रज्जब, तथा जम्भनाथ।
हिन्दी सूफी काव्य–वैचारिक आधार, हिन्दी में प्रेमाख्यानों की परम्परा, सूफी प्रेमाख्यान का स्वरूप, हिन्दी का सूफी काव्य, प्रमुख सूफी कवि –मुल्ला दाऊद, कुतुबन, मंझन तथा जायसी।

हिन्दी कृष्ण काव्य – वैचारिक आधार और विभिन्न सम्प्रदाय, कृष्ण भक्ति शाखा के कवि और काव्य। प्रमुख कवि – सूरदास, नन्ददास, मीरा, रसखान।
हिन्दी राम काव्य – वैचारिक आधार और विभिन्न सम्प्रदाय, राम भक्ति शाखा के कवि और काव्य।
रीतिकाल – नामकरण की समस्या, तत्कालीन दरबारी संस्कृति और रीतिकाल, प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रीतिबद्ध, रीतिमुक्त, रीतिसिद्ध) रीतिकाल के प्रमुख कवि – केशवदास, मतिराम, भूषण, बिहारीलाल, देव, घनानन्द तथा पद्माकर।

आधुनिक काल का काव्य :
1857 की क्रांति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, भारतेन्दु और उनका मण्डल। द्विवेदी युग – महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, प्रमुख काव्यधाराएँ – छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता।
आधुनिक काल का गद्य साहित्य :
उपन्यास, कहानी, नाटक, आलोचना, निबंध एवं अन्य विधाएँ

अंक विभाजन :

कुल पाँच प्रश्न	(20 x 4 = 80 अंक)
अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा।	(10 x 2 = 20 अंक)
सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय।	

अनुशंसित ग्रंथ :

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ.नगेन्द्र (सं)
आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ.लक्ष्मीसागर वर्ष्णेय
हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ.रामकुमार शर्मा
हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी साहित्य का अतीत (दो भाग) : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह
हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

द्वितीय प्रश्न पत्र : मध्यकालीन काव्य

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. भ्रमरगीत सार : सम्पादक रामचन्द्र शुक्ल (पद संख्या 164 से 214 तक कुल 50 पद)
2. विनय पत्रिका : गीता प्रेस गोरखपुर (पद संख्या 76 से 116 तक कुल 40 पद)
3. बिहारी रत्नाकर : 101 से 200 तक
4. दादूदयाल : श्री दादूवाणी– सं रामप्रसाद दास स्वामी, प्रकाशक दादूदयालु महासभा,जयपुर। अथ राग असावरी, पद संख्या 213 से 245 तक
5. घनानन्द कवित्त : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, प्रकाशन (प्रारम्भ के 50 पद)
6. मीरा मुक्तावली : सम्पादक नरोत्तम स्वामी, श्रीराम मेहरा, आगरा (पद संख्या 26 से 75)

अंक विभाजन :

कुल चार व्याख्याएँ : प्रत्येक कवि से व्याख्या पूछी जायेगी। विकल्प देय होगा (10 X 4 =40 अंक)
कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न। प्रत्येक कवि से प्रश्न अपेक्षित है। विकल्प देय होगा। (15 X 4 = 60 अंक)

अनुशंसित ग्रंथ :

1. सूर का भ्रमरगीत : डॉ.शंकरदेव अवतरे
2. सूरदास : ब्रजेश्वर वर्मा
3. अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय : डॉ.दीनदयालु गुप्त, हिन्दी साहित्य सम्मेलन।
4. सूर की काव्य कला : डॉ.मनमोहन गौतम, भारतीय साहित्य मंदिर दिल्ली।
5. तुलसी : डॉ. उदयभानु सिंह
6. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नगरी प्रचारिणी सभा।
7. बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथप्रसाद मिश्र, वाराणसी।
8. बिहारी का नया मूल्यांकन : डॉ.बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. स्वच्छंद काव्यधारा और घनानन्द : डॉ.मनोहरलाल गौड़, नागरी प्रचारिणी सभा काशी।
10. आनन्द घन : डॉ.रामदेव शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।
11. मीरा पदावली : डॉ.शम्भू सिंह मनोहर
12. मीराबाई : पदमावती शबनम
13. उत्तरी भारत की संत परम्परा – परशुराम चतुर्वेदी
14. श्री दादूपंथ का परिचय – प्रथम, द्वितीय, तृतीय भाग – स्वामी नारायणदास।
15. संत साहित्य की रूपरेखा – आचार्य परशुराम चतुर्वेदी।

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

तृतीय प्रश्न पत्र : साहित्य शास्त्र (भारतीय तथा पाश्चात्य)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

क. साहित्य की परिभाषा, साहित्य की प्रमुख विधाओं के सैद्धान्तिक स्वरूप और विवेचना – प्रबन्धकाव्य (महाकाव्य, खण्डकाव्य), मुक्तक काव्य (गीति काव्य, प्रगीतिकाव्य) उपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी, आत्मकथा, जीवनी, रेखाचित्र, संस्मरण, रिपोर्ताज।

ख. भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास एवं काव्यशास्त्र के विविध सम्प्रदाय : रस, ध्वनि, वक्रोक्ति, रीति, अलंकार, औचित्य।

ग. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – प्लेटो, अरस्तु, लौंजाइन्स, इलियट, क्रोचे, मार्क्स और आई.ए. रिचर्ड्स के काव्य सिद्धान्त।

घ. हिन्दी के प्रमुख आलोचक – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. रामविलास शर्मा,, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, डॉ.नगेन्द्र, रामस्वरूप चतुर्वेदी।

ड. आलोचना (सैद्धान्तिक तथा व्यावहारिक)
1. हिन्दी आलोचना का उद्‌भव और विकास
2. हिन्दी का आलोचना शास्त्र – पाठालोचन,. सैद्धान्तिक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोवैज्ञानिक, नयी समीक्षा।

अंक विभाजन :

क. प्रथम चार इकाइयों से एक–एक प्रश्न पूछा जायेगा। (20 X 4 = 80 अंक)

ख. पांचवी इकाई से टिप्पणीपरक प्रश्न पूछा जायेगा। (कुल दो टिप्पणियाँ) (10 X 2 =20 अंक)
प्रत्येक प्रश्न का आंतरिक विकल्प देय होगा।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. साहित्यालोचन : श्यामसुन्दर दास
2. काव्यशास्त्र : डॉ.भागीरथ मिश्र
3. भारतीय साहित्यशास्त्र भाग एक : बलदेव उपाध्याय
4. भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा : डॉ.नगेन्द्र
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास : तारकनाथ बाली
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : शांतिस्वरूप गुप्त
8. समीक्षालोक : डॉ.भागीरथ मिश्र
9. पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त : गोविन्द त्रिगुणायत
10. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धान्त : गोविन्द त्रिगुणायत
11. भारतीय काव्यशास्त्र : सत्यदेव चौधरी।

Asstt Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
Jaipur

3/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

चतुर्थ प्रश्न पत्र : हिन्दी गद्य (उपन्यास,कहानी एवं अन्य गद्य विधाएँ)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. गोदान : प्रेमचन्द
2. बाणभट्ट की आत्मकथा : हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. स्मृति लेखा :
   (भारत कोकिला : सरोजिनी नायडू और कवि वत्सला होमवती देवी शीर्षक पाठों को छोड़कर)
4. **निर्धारित आधुनिक कहानियाँ :**

जिन्दगी और जोंक	–	अमरकान्त
खोई हुई दिशाएँ	–	कमलेश्वर
परिन्दे	–	निर्मल वर्मा
तीसरी कसम	–	फणीश्वरनाथ रेणु
चीफ की दावत	–	भीष्म साहनी
यही सच है	–	मन्नू भण्डारी
एक और जिन्दगी	–	मोहन राकेश
जहाँ लक्ष्मी कैद है	–	राजेन्द्र यादव
प्रेत मुक्ति	--	शैलेश मटियानी
भेड़िए	–	भुवनेश्वर
हंसा जाई अकेला	–	मार्कण्डेय
कोसी का घटवार	–	शेखर जोशी
विनाशदूत	–	मृदुला गर्ग
फुलवा	–	रतन कुमार सांभरिया

अंक विभाजन

1. कुल चार व्याख्याएँ : प्रत्येक खण्ड से एक–एक (10 X 4 =40 अंक)
2. कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न : प्रत्येक से एक–एक (15 X 4 =60 अंक)
   आन्तरिक विकल्प देय

अनुशंसित ग्रंथ :

1. प्रेमचन्द के उपन्यासों का शिल्प विधान : कमलकिशोर गोयनका
2. गोदान : गोपालराय
3. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : संपादक भीष्म साहनी और रामजी मिश्र
4. हिन्दी उपन्यास : उपलब्धियाँ, डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
5. हिन्दी उपन्यास : शिवनारायण श्रीवास्तव
6. मन्नू भण्डारी का कथा साहित्य, गुलाबराव हाड़े
7. नई कहानी : संवेदना और शिल्प : राजेन्द्र यादव
8. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ : सुरेन्द्र तिवारी
9. हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान : डॉ.रामदरश मिश्र
10. एक दुनिया समानान्तर : सम्पादक राजेन्द्र यादव
11. प्रतिनिधि कहानियाँ : स्वयंप्रकाश
12. कहानी : नई कहानी : डॉ.नामवर सिंह
13. कथाकार मन्नू भण्डारी : अनीता राजूरकर

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan

विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी

प्रथम प्रश्न पत्र : हिन्दी गद्य (नाटक, निबंध एवं आलोचना)

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. अंधेरी नगरी : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
2. 'स्कन्दगुप्त' : जयशंकर प्रसाद
3. कोणार्क – जगदीश चन्द्र माथुर
4. रक्त अभिषेक – दया प्रकाश सिन्हा
5. निर्धारित निबंध : साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है (बालकृष्ण भट्ट), उत्साह (आचार्य रामचन्द्र शुक्ल), देवदारू(आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी), उत्तराफाल्गुनी के आस–पास (कुबेरनाथ राय)
6. आलोचनात्मक निबंध : काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था (आचार्य रामचन्द्र शुक्ल), भारतीय साहित्य की प्राण–शक्ति (आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी), छायावाद (आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी) और रस–सिद्धान्त के विरूद्ध आक्षेप और उनका सामाधान (डॉ.नगेन्द्र)।

अंक विभाजन :

1. कुल चार व्याख्याएँ : प्रत्येक इकाई से एक व्याख्या अपेक्षित है (9 x 4 = 36 अंक)
   आंतरिक विकल्प देय
2. कुल तीन आलोचनात्मक प्रश्न : प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न अपेक्षित है (16 x 3 = 48 अंक)
   अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा। आंतरिक विकल्प देय (8 x 2 = 16 अंक)

अनुशंसित ग्रंथ :

आज के रंग नाटक : गिरीश रस्तोगी
अंधेर नगरी : सं. गिरीश रस्तोगी, राजकमल प्रकाशन
रंग दर्शन : नेमीचन्द जैन
हिन्दी निबंध : उद्‌भव और विकास : डॉ.ओंकरनाथ शर्मा
श्रेष्ठ हिन्दी निबंधकार : डॉ.सुरेश गुप्ता
आलोचक की आस्था : डॉ.नगेन्द्र
आलोचना के आधार स्तम्भ : सम्पादक रामेश्वलाल खण्डेलवाल और डॉ. सुरेशचन्द्र गुप्त
आलोचक और आलोचना : डॉ.बच्चन सिंह
हिन्दी आलोचना : प्रकृति और परिवेश : डॉ.तारकनाथ बाली
हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास – दशरथ ओझा
देवेन्द्रराज अंकुर – पहला रंग
जगन्नाथ शर्मा – जयशंकर प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

45

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी

द्वितीय प्रश्न पत्र : प्राचीन एवं निर्गुण काव्य

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यपुस्तकें :

1. पृथ्वीराज रासो – चंदवरदाई – कैमास करनाटी प्रसंग
   संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो – सं हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. विद्यापति : डॉ.शिवप्रसाद सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहबाद (पद संख्या – 2, 3, 4, 5, 8, 10, 11, 16, 19, 26, 36, 40, 47, 48, 53, 54, 55, 56, 58, 60, 79, 81, 82, 95, 100 कुल 25 पद)
3. जायसी ग्रंथावली : संपादक – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा (पद्वात से सिंहलद्वीप वर्णन खण्ड तथा नागमती–वियोग खण्ड)
4. कबीर : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन (पद संख्या 1, 2, 5, 10, 11, 12, 14, 22, 35, 39, 42, 49, 55, 57, 66, 68, 69, 70, 76, 87, 94, 104, 108, 112, 130, 134, 140, 141, 153, 156, 160, 162, 163, 165, 166, 168, 173, 183, 199, 250 कुल 40 पद)

अंक विभाजन :

1. कुल चार व्याख्याएँ : आन्तरिक विकल्प देय (9 x 4 = 36 अंक)
2. कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न।प्रत्येक इकाई से प्रश्न अपेक्षित है।
   आन्तरिक विकल्प देय (16 x 4 = 64 अंक)

अनुशंसित ग्रंथ :

विद्यापति : डॉ.आनन्द प्रकाश दीक्षित
विद्यापति : डॉ.शूभकार कपूर
विद्यापति वाग्विलास : डॉ. गुणानन्द जुयाल, कुमार प्रकाशन बरेली
जायसी : विजयदेवनारायण साही
पद्मावत में काव्य, संस्कृति और दर्शन : डॉ.द्वारिका प्रसाद सक्सेना
कबीर : विजेन्द्र स्नातक
कबीर साहित्य की परख : गोविन्द त्रिगुणायत
नानक वाणी : सम्पादक जयराम मित्र, लोकभारती प्रकाशन
राजस्थान का संत साहित्य : पुरुषोत्तम मेनारिया
राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ.हीरालाल माहेश्वरी
हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय : डॉ. पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल
उत्तरी भारत की संत परम्परा : परशुराम चतुर्वेदी

30/6/11
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी

तृतीय प्रश्न पत्र : भाषा विज्ञान

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यक्रम :

प्रथम इकाई :

1. भाषा : अर्थ, महत्व, विशेषताएं, परिवर्तन के कारण
2. भाषा के विविध रूप
3. भाषा विज्ञान से तात्पर्य, ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध
4. भाषा अध्ययन के विभिन्न प्रकार, मूल अवधारणाएं एवं सामान्य परिचय : वर्णानात्मक, तुलनात्मक, ऐतिहासिक, भाषा भूगोल।
5. भाषा विज्ञान के विविध अंग – मूल अवधारणा एवं सामान्य परिचय, ध्वनि विज्ञान, पद विज्ञान, वाक्य विज्ञापन एवं शब्द विज्ञान।

द्वितीय इकाई :

1. अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ
2. ध्वनि परिवर्तन के कारण और दिशाएँ – ध्वनियों का वर्गीकरण
3. रूप परिवर्तन एवं वाक्य परिवर्तन के कारण और दिशाएँ

तृतीय इकाई :

1. भारत के विविध भाषा परिवार – आर्य, द्रविड़, कोल एवं नाग
2. प्राचीन एवं मध्यकालीन आर्य भाषाएं – वैदिक, संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, अवहट्ट, पुरानी हिन्दी
3. आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ : वर्गीकरण
4. हिन्दी की उपभाषाएं एवं बोलियाँ
5. राजभाषा हिन्दी
6. हिन्दी की ध्वनियाँ, वर्गीकरण एवं सामान्य परिचय

चतुर्थ इकाई :

1. हिन्दी व्याकरण का इतिहास
2. हिन्दी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण एवं परसर्गों का विकास
3. हिन्दी की बोलियाँ एवं उनकी विशेषताएं।
4. हिन्दी व्याकरण चिन्तक और चिन्तन
    1. कामता प्रसाद गुरु
    2. किशोरी दास वाजपेयी

पंचम इकाई :

1. लिपि की परिभाषा
2. लिपि और भाषा का संबंध
3. लिपि के विकास का इतिहास – चित्रलिपि, भावलिपि, ध्वनि लिपि, ब्राह्मी लिपि तथा खरोष्ठी लिपि की विशेषताएँ
4. देवनागरी लिपि का उद्‌भव और विकास
5. देवनागरी लिपि की विशेषताएँ
6. देवनगारी लिपि का मानकीकरण

अंक विभाजन :

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पाँच इकाइयों में विभक्त है। प्रत्येक इकाई से प्रश्न पूछा जायेगा। अंतिम इकाई से 10–10 अंकों की टिप्पणियां पूछी जायेगी। आंतरिक विकल्प देय होगा।

(20 x 4 = 80)
(10 x 2 = 20)

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan

30/6/11

विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

47

अनुशंसित ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान : डॉ.भोलनाथ तिवारी, किताब महल, इलाहबाद
2. भाषा विज्ञान : डॉ.द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
3. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली
4. हिन्दी भाषा का इतिहास : डॉ.धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तान एकेडेमी
5. हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास : डॉ. उदयनारायण तिवारी
6. हिन्दी की बोलियाँ एवं उपभाषाएं : डॉ.हरदेव बाहरी
7. भाषा और भाषिकी : देवीशंकर द्विवेदी
8. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र : डॉ.कपिलदेव द्विवेदी
9. राजस्थानी भाषा : डॉ.सुनीति कुमार चटर्जी, राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर
10. हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक व्याकरण : डॉ.माताबदल जायसवाल
11. हिन्दी भाषा और साहित्य : डॉ.भोलानाथ तिवारी
12. भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिन्दी : डॉ.रामविलास शर्मा
13. भाषा विज्ञान : संपादक डॉ.राजमल बोरा, मयूर पेपरबैक्स

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी

चतुर्थ प्रश्न पत्र : आधुनिक काव्य

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. कामायनी : जयशंकर प्रसाद – (चिन्ता, आशा, तथा श्रद्धा सर्ग)
2. राग–विराग : संपादक–डॉ.रामविलास शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद (राम की शक्ति पूजा और कुकुरमुत्ता शीर्षक कविताएँ)
3. आंगन के पार द्वार : अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ (असाध्य वीणा कविता)
4. चाँद का मुँह टेढ़ा है : मुक्तिबोध, भारतीय ज्ञानपीठ (अंधेरे में शीर्षक कविता)
5. आत्मजयी – कुँवरनारायण

अंक विभाजन :

1. कुल चार व्याख्याएँ : प्रत्येक इकाई से व्याख्या अपेक्षित है। आन्तरिक विकल्प देय।

(9 x 4 = 36)

2. कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न। प्रत्येक इकाई से प्रश्न अपेक्षित है। आन्तरिक विकल्प देय।

(16 x 4 = 64)

अनुशंसित ग्रंथ :

कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ : डॉ.नगेन्द्र

कामायनी : एक पुनर्विचार : मुक्तिबोध

कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन : डॉ.द्वारिका प्रसाद सक्सेना

निराला की साहित्य साधना : डॉ.रामविलास शर्मा

निराला : आत्महंत आस्था : दूधनाथ सिंह

अज्ञेय : विश्वनाथ तिवारी

लम्बी कविताओं का शिल्प विधान : नरेन्द्र मोहन

मुक्तिबोध : अशोक चक्रधर

समकालीन काव्य यात्रा – नंद किशोर नवल

3/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Deptt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी

पंचम प्रश्न पत्र : विशिष्ट अध्ययन (कोई एक)

(क) कवि, साहित्यकार

(1) तुलसीदास

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रंथ :

1. रामचरित मानस : गीताप्रेस गोरखपुर – उत्तरकाण्ड
2. विनय पत्रिका : गीताप्रेस गोरखपुर – पद संख्या– 155 से 200 तक
3. गीतावली : गीताप्रेस गोरखपुर
4. कवितावली : गीताप्रेस गोरखपुर

अंक विभाजन

1. कुल चार व्याख्याएँ : प्रत्येक पाठ्यपुस्तक से एक–एक। (9 x 4 = 36) अंक
2. कुल चार समीक्षात्मक प्रश्न – रामचरित मानस में से एक प्रश्न, विनय पत्रिका में से एक प्रश्न, गीतावली अथवा कवितावली में से एक प्रश्न और एक प्रश्न कवि की जीवनी, परिवेश तथा वैचारिक पृष्ठभूमि से संबंधित। (16 x 4 = 64) अंक

अनुशंसित ग्रंथ :

गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
तुलसीदास और उनका युग :राजपति दीक्षित
तुलसीदास : डॉ.माताप्रसाद गुप्त
तुलसीदास : रासबिहारी शुक्ल
तुलसीदास : चन्द्रबली पाण्डेय
रामचरित मानस का काव्यशास्त्रीय अनुशीलन : डॉ.रामकुमार पाण्डेय
तुलसीदर्शन : बलदेव प्रसाद मिश्र
तुलसी–काव्य–मीमांसा : डॉ उदयभानु सिंह

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
Jaipur

50

(क) (2) सूरदास

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रंथ :

1. सूर पंचरत्न : सं. लाला भगवानदीन
2. भ्रमरगीत सार : सं. रामचन्द्र शुक्ल – प्रारंभ से 100 पद
3. साहित्य लहरी
4. सूर सारावली

अंक विभाजन

1. चारों ग्रंथों से एक–एक व्याख्या पूछी जायेगी। कुल चार व्याख्याएँ (9 x 4 = 36) अंक
2. कुल चार समीक्षात्मक प्रश्न – सूर पंचरत्न से एक, भ्रगरगीत सार से एक, साहित्य लहरी अथवा सूरसारावली से एक, और कवि की जीवनी परिवेश तथा वैचारिक पृष्भभूमि पर आधारित एक प्रश्न। (16 x 4 = 64) अंक

अनुशंसित ग्रंथ :

कृष्णदास और सूरदास : डा.प्रेमशंकर
सूरदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
सूर निर्णय : प्रभुदयाल मीतल
सूर सौरभ : डॉ.मुंशीराम शर्मा
सूरदास की काव्य–कला : डॉ.मनमोहन गोतम
सूर और उनका साहित्य : डॉ.हरवंशलाल शर्मा
सूरदास : डॉ.ब्रजेश्वर वर्मा
सूर साहित्य की भूमिका : डॉ.रामरतन भटनागर
सूरदास : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
सूरदास : संपादक हरवंशलाल शर्मा

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar
University of Rajasthan

अथवा

(क) (3) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रंथ :

1. निर्धारित कविताएँ – प्रेम माधुरी, प्रेम तरंग, विनय प्रेम, प्रेम पचासा, मानसोपायन, भारत वीरत्व, विजयनी विजय वैजयन्ती, नये जमाने की मुकरी, प्रातः समीकरण, बकरी विलाप और हिन्दी की उन्नति पर व्याख्यान।
2. मुद्रा राक्षस (अनूदित)
3. सत्य हरिश्चन्द्र
4. निर्धारित निबंध – भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है और "नाटक" शीर्षक निबंध।

अंक विभाजन

1. भारतेन्दु के पाठ्यग्रंथों से संबंधित चार व्याख्याएँ पूछी जायेगी। (9 x 4 = 36) अंक
2. भारतेन्दु की जीवनी तथा युगीन परिवेश से संबंधित एक प्रश्न, नाटकों से संबंधित एक प्रश्न, काव्य से संबंधित एक प्रश्न और निबंधों से संबंधित एक प्रश्न, कुल चार प्रश्न।

(16 x 4 = 64) अंक

अनुशंसित ग्रंथ :

भारतेन्दु समग्र : हिन्दी प्रकाशन संस्थान

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र भाग एक : ब्रजरत्नदास, हिन्दुस्तानी ऐकेडमी, इलाहाबाद

भारतेन्दु कला : प्रेमनारायण शुक्ल

भारतेन्दु की विचारधारा : डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परम्परा : रामविलास शर्मा

भारतेन्दु की भाषा और शैली : गोपाल खन्ना

भारतेन्दु ग्रंथावली : संपादक ब्रजरत्नदास

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
Jaipur

अथवा

(क) (4) जयशंकर प्रसाद

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रंथ :

1. कामायनी से संघर्ष और आनन्द सर्ग
2. चन्द्रगुप्त
3. काव्यकला तथा अन्य निबंध
4. आकाशदीप (कहानी संग्रह)

अंक विभाजन

1. कुल चार व्याख्याएँ – प्रत्येक पाठ्यपुस्तक से एक (9 x 4 = 36) अंक
2. कुल चार समीक्षात्मक प्रश्न – कामायनी से एक प्रश्न, "चन्द्रगुप्त" से एक प्रश्न, काव्यकला तथा अन्य निबंध अथवा "आकाशदीप" से एक प्रश्न।कवि की जीवनी, परिवेश तथा वैचारिक पृष्ठभूमि से एक प्रश्न। (16 x 4 = 64) अंक

अनुशंसित ग्रंथ :

प्रसाद के नाटकों का ऐतिहासिक अध्ययन : डॉ.जगदीश चन्द्र जोशी

जयशंक प्रसाद : नन्ददुलारे वाजपेयी

प्रसाद की काव्य – साधना : रामनाथ सुमन

प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : डॉ.जगन्नाथ प्रसाद शर्मा

लहर सुधा निधि : डॉ.मधुर मालती सिंह

प्रसाद साहित्य में प्रेम तत्व : प्रभाकर श्रोत्रिय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला – डॉ. रामेश्वर खण्डेवाल

प्रसाद और उनका साहित्य – विनोद शंकर व्यास

प्रसाद का काव्य – डॉ. प्रेम शंकर

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

अथवा

(क) (5) अज्ञेय

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

पाठ्यक्रम :

1. एक बूँद सहसा उछली
2. कितनी नावों में कितनी बार
3. भवन्ती
4. शेखर : एक जीवनी : भाग एक व दो

अंक विभाजन

3. कुल चार व्याख्याएँ प्रत्येक पाठ से एक–एक। (9 x 4 = 36) अंक
4. कुल चार समीक्षात्मक प्रश्न – कितनी नावों में कितनी बार से एक प्रश्न, शेखर : एक जीवनी से एक प्रश्न, एक बूँद सहसा उछली अथवा भवन्ती से एक प्रश्न। एक प्रश्न कवि की जीवनी, परिवेश तथा वैचारिक पृष्ठभूमि से। (16 x 4 = 64) अंक

अनुशंसित ग्रंथ :

अज्ञेय : संपादक – विद्या निवास मिश्र

अज्ञेय : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन : डॉ.केदार शर्मा

अज्ञेय का काव्य : एक पुनर्मूल्यांकन : शम्भुनाथ चतुर्वेदी

अज्ञेय का कथा साहित्य : ओम प्रभाकर

अज्ञेय के उपन्यास : प्रकृति और प्रस्तुति : डॉ.केदार शर्मा

शेखर : एक जीवनी : विविध आयाम : सम्पादक राम कमल राय

शेखर :एक जीवनी महत्व :परमानन्द श्रीवास्तव

शब्द पुरुष अज्ञेय : नरेश मेहता

अज्ञेय का संसार : शब्द और सत्य : संपादक – अशोक वाजपेयी

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
Jaipur

(क) (6) प्रेमचन्द

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रंथ :

1. कुछ विचार (निबंध)
2. मानसरोवर (प्रथम खण्ड)
3. रंगभूमि
4. गबन

अंक विभाजन

1. कुल चार व्याख्याएँ – प्रत्येक पाठ्यपुस्तक से एक–एक (9 x 4 = 36) अंक
2. कुल चार समीक्षात्मक प्रश्न – 'गबन' से एक प्रश्न, रंगभूमि से एक प्रश्न, 'मानसरोवर से एक प्रश्न तथा कुछ विचार से एक प्रश्न, रचनाकार की जीवनी, परिवेश तथा वैचारिक पृष्ठभूमि पर आधारित एक प्रश्न। (16 x 4 = 64) अंक

अनुशंसित ग्रंथ :

प्रेमचन्द और उनका युग : डॉ.रामविलास शर्मा

प्रेमचन्द साहित्य कोष : कमल किशोर गोयनका

कलम का सिपाही : अमृतराय

विविध प्रसंग : अमृतराय

कलम का मजदूर : मदनगोपाल

प्रेमचन्द घर में : शिवरानी

प्रेमचन्द : संपादक विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

प्रेमचन्द : जीवन और कृतित्व : हंसराज रहबर

किसान, राष्ट्रीय आंदोलन और प्रेमचंद : वीर भारत तलवार

प्रेमचन्द के उपन्यास साहित्य में सांस्कृतिक चेतना : नित्यानन्द पटेल

प्रेमचन्द : साहित्यिक विवेचन – नंद दुलाने वाजपेयी

कथाकार प्रेमचन्द – मन्मथनाथ गुप्त

प्रेमचन्द के साहित्य सिद्धान्त – नरेन्द्र कोहली

प्रेमचन्द के उपन्यासों का शिल्प–विधान – डॉ. कमल किशोर गोयनका

रंगभूमि : नये आयाम – डॉ. कमल किशोर गोयनका

प्रेमचन्द : विश्वकोश (दो खण्ड) – डॉ. कमल किशोर गोयनका

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Kashmir
Jammu

अथवा (ख) भाषाएँ – कोई एक भाषा

(1) उर्दू

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रंथ :

1. माजामीने चक–बस्त
2. मुसद्दसे हाली–हाली
3. मुकद्दमा – ए – शेरो–शायरी–हाली

अंक विभाजन

1. प्रत्येक पाठ्यपुस्तक में से एक–एक व्याख्या होगी। 36 अंक
2. प्रत्येक पाठ्यपुस्तक पर एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न 48 अंक
3. उर्दू साहित्य के इतिहास से संबंधित एक प्रश्न 16 अंक

सभी प्रश्नों के आंतरिक विकल्प देय

अनुशंसित ग्रंथ :

तारीखे अदब उर्दू–राम बाबू सक्सेना – अनुवाद मिर्जा मुहम्मद अस्करी (अध्याय 1,2,3 पृष्ठ 1 से 57)

उर्दू साहित्य का इतिहास – एजाज हुसैन – अंजुमन तरक्यी ए उर्दू, अलीगढ़।

उर्दू साहित्य की झलक –डॉ.फजले इमाम, प्र. राजस्थान प्रकाशन मंदिर,जयपुर।

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

अथवा (ख) (2) मराठी

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. शकुन्तला – किर्लोस्कर
2. उषाकाल – हरिनारायण आप्टे
3. अभिनव काव्यमाला भाग 4, केलकर
4. निबंधमाला, भाग एक – जी.जी. आगस्कर

अंक विभाजन :

1. प्रत्येक पुस्तक से एक–एक रूपान्तरण या व्याख्या पूछी जायेगी। (कुल चार रूपान्तरण या व्याख्याएँ) 36 अंक
2. शकुन्तला से एक समीक्षात्मक प्रश्न 16 अंक
3. उषाकाल से समीक्षात्मक प्रश्न 16 अंक
4. अभिनव काव्यमाला से एक समीक्षात्मक प्रश्न 16 अंक
5. निबंधमाला से एक समीक्षात्मक प्रश्न 16 अंक

सभी प्रश्नों के आंतिरक विकल्प देय

अथवा (ख) (3) बंगला

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. संचयिता – रवीन्द्रनाथ ठाकुर
2. आनन्दमठ – बंकिमचन्द्र चटर्जी
3. भारत महिला – हरप्रसाद शास्त्री
4. चन्द्रगुप्त – द्विजेन्द्र लाल राय

अंक विभाजन :

1. प्रत्येक पुस्तक से एक–एक रूपान्तरण या व्याख्या पूछी जायेगी। (कुल चार रूपान्तरण या व्याख्याएँ) 36 अंक
2. संचयिता से संबंधित एक समीक्षात्मक प्रश्न 16 अंक
3. आनन्दमठ से संबंधित एक समीक्षात्मक प्रश्न 16 अंक
4. भारत महिला से संबंधित एक समीक्षात्मक प्रश्न 16 अंक
5. चन्द्रगुप्त से संबंधित एक समीक्षात्मक प्रश्न 16 अंक

सभी प्रश्नों के आंतिरक विकल्प देय

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan

30/6/16

प्रभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

अथवा (ख) (4) गुजराती

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. गुजरात नौ नाथ – कन्हैयालाल माणिक्यलाल मुंशी
2. ओतराती दीवालो – काका कालेलकर
3. पारिजात (पारीजात) – पूजालाल

अंक विभाजन :

1. व्याख्या या रूपान्तरण के लिए तीन अवतरण, प्रत्येक पुस्तक से एक–एक (9 x 4 = 36) अंक

   प्रत्येक पुस्तक पर आधारित एक–एक समीक्षात्मक एवं एक प्रश्न गुजराती व्याकरण या इतिहास से संबंधित। सभी प्रश्नों के आंतरिक विकल्प देय (16 x 4 = 64) अंक

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Exam.)
University of Rajasthan
Jaipur

अथवा (ग) आधारभूत भाषाएँ (कोई एक भाषा)

(1) संस्कृत

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. किरातार्जुनीयम – भारवि (प्रथम सर्ग)
2. अभिज्ञान शाकुन्तलम – प्रथम चार अंक – कालिदास
3. कादम्बरी कथा मुखम् – बाणभट्ट

व्याकरण :

1. व्याकरण प्रवेशिका – डॉ.बाबूराम सक्सेना
2. संस्कृत रचनानुवाद कौमुदी – डॉ.कपिलदेव द्विवेदी

अंक विभाजन :

1. एक प्रश्न व्याख्याओं या रूपान्तरों से संबंधित होगा। 'अभिज्ञान शाकुन्तलम' से दो तथा शेष पुस्तकों में से एक–एक व्याख्या या रूपान्तर पूछा जायेगा। 28 अंक
   प्रत्येक पुस्तक से संबंधित एक–एक समीक्षात्मक प्रश्न होगा एवं एक प्रश्न व्याकरण से संबंधित होगा। सभी प्रश्नों के आंतिरक विकल्प देय 72 अंक

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
Jaipur

अथवा (ग) (2) पालि भाषा

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. पालिजातकावली – बटुकनाथ शर्मा
2. धम्मपद – प्रथम दश बग्ग

व्याकरण :

1. पालि प्रबोध – अद्यादत्त ठाकुर, गंगा पुस्तक माला, लखनऊ।
2. ए मैनुअल ऑफ पालि – सी.बी.जोशी, ओरियन्ट बुक एजेन्सी, पूना।
3. पालि व्याकरण – भिक्षुधर्मरक्षित

इतिहास :

1. पालि साहित्य का इतिहास – भरत सिंह उपाध्याय, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
2. पालि भाषा और साहित्य – डॉ. इन्दु चन्द्र शास्त्री, प्र. हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।

अंक विभाजन :

1. चार व्याख्यायें अथवा चार अनुवाद, प्रत्येक पुस्तक से दो–दो अवतरण व्याख्या अथवा अनुवाद के लिए चुने जायेंगे — 28 अंक
2. दो प्रश्न पाठय पुस्तकों पर — 36 अंक
3. पालि साहित्य से संबंधित एक प्रश्न — 18 अंक
4. एक प्रश्न व्याकरण से संबंधित होगा — 18 अंक

   सभी प्रश्नों के आंतिरक विकल्प देय।

30/6/14

विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar
University of Rajasthan
Jaipur

अथवा (ग) (3) प्राकृत

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. पाइयगज्ज संग्रहो – (कथा 3,5,6,7,9 व 13) सं. डॉ.राजाराम जैन, प्राच्य भारती प्रकाशन, आरा (बिहार)
2. बज्जालग्ग में जीवन मूल्य – सं. डॉ.कमल चन्द सौगाणी, प्र. प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर।
3. समणसुक्त चयनिका – सं. डॉ.कमल चन्द सौगाणी, प्र.प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर प्रारम्भ की 100 गाथायें।

अंक विभाजन :

1. चार व्याख्याएं – 'पाइयगज्ज संग्रहो' से दो, 'बज्जालग्ग' से एक और 'समणसुत्त' से एक 28 अंक
2. एक समीक्षात्मक प्रश्न 'पाइयगज्ज संग्रहों' से 18 अंक
3. एक समीक्षात्मक प्रश्न 'बज्जालग्ग' अथवा 'समणसुत्त चयनिका' से 18 अंक
4. एक प्रश्न प्राकृत साहित्य के इतिहास से संबंधित साहित्य का उद्‌भव और विकास 18 अंक
5. एक प्रश्न प्राकृत भाषा और व्याकरण से संबंधित प्राकृत भाषा का उद्‌भव और विकास, प्राकृत भाषा के विविध रूप और उनकी क्षेत्रीय विशेषताएं, व्याकरण संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया और क्रिया विशेषण 18 अंक

आंतिरक विकल्प देय

अनुशंसित ग्रंथ :

1. प्राकृत साहित्य का इतिहास – डॉ.जगदीश चन्द्र जैन, प्र. चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।
2. प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ.नेमीचन्द शास्त्री, प्र. तारा पब्लिकेशन, वाराणसी।
3. प्राकृत जैन कथा साहित्य – डॉ.जे.सी.जैन, प्र. लाल भाई दलपत भाई भारतीय संस्कृति विद्या मंदिर अहमदाबाद।
4. प्राकृत दीपिका – डॉ. सुदर्शनलाल जैन, प्र.पी.बी. रिसर्च इन्स्टीट्यूट, वाराणसी।
5. प्राकृत मार्गोपदेशिका – श्री बेचरदास जीवराजे दोशी, प्र. मोतीलाल बनारसी दास दिल्ली।
6. हेमचन्द्र प्राकृत व्याकरण भाग 1,2 व्याख्याता श्री प्यारचन्द जी प्र. श्री जैन दिवाकर दिव्य ज्योति कार्यालय, ब्यावर।
7. अभिवन प्राकृत व्याकरण – डॉ.नेमीचन्द शास्त्री, प्र. तारा पब्लिकेशन्स वाराणसी।
8. प्राकृत प्रबोध सं डॉ.नेमीचन्द जैन
9. बज्जलग्ग – सं. माधव वासुदेव पटवर्धन प्राकृत ट्रेक्ट्स सोसायटी, अहमदाबाद।

61

30/6/11

विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

अथवा (ग) (4) अपभ्रंश

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1.	सरहपा	:	प्रारम्भ से 12 दोहे
2.	स्वयंभू	:	सम्पूर्ण
3.	अब्दुर्रहमान	:	प्रारम्भ से 16 छंद
4.	हेमचन्द्र सूरि	:	प्रारम्भ से 20 दोहे
5.	विनयचन्द्र सूरि	:	सम्पूर्ण
6.	विद्यापति	:	कीर्तिलता (प्रथम तथा द्वितीय पल्लव)
7.	अपभ्रंश व्याकरण	:	अपभ्रंश रचना सौरभ, लेखक – डॉ.कमलचंद सौगाणी, अपभ्रंश अकादमी,जयपुर

नोट : 1 से 5 तक पाठ्यांश 'अपभ्रंश और अवहट्ट : एक अन्तर्यात्रा' – डॉ. शम्भूनाथ पाण्डेय, पुस्तक से निर्धारित है।

अंक विभाजन :

चार व्याख्याएँ (10 x 4 = 40 अंक)
चार आलोचनात्मक प्रश्न (15 x 4 = 60 अंक)
सभी कवियों से व्याख्याएं अपेक्षित हैं।
तीन आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। एक प्रश्न व्याकरण का होगा। आंतरिक विकल्प व्याख्या तथा सभी प्रश्नों में देय है।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिन्दी काव्यधारा, राहुल सांकृत्यायन
2. अपभ्रंश काव्य सौरभ, अपभ्रंश अकादमी, जयपुर
3. अपभ्रंश रचना सौरभ, अपभ्रंश अकादमी, जयपुर
4. अपभ्रंश अभ्यास सौरभ, अपभ्रंश अकादमी, जयपुर
5. अपभ्रंश और अवहट्ट : एक अन्तर्यात्रा, डॉ.शम्भुनाथ पाण्डेय
6. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान – डॉ नामवर सिंह
7. अपभ्रंश साहित्य डॉ. हरिवंश कोछुड भारतीय साहित्य मंदिर दिल्ली।
8. अपभ्रंश भाषा का अध्ययन : डॉ. वीरेन्द्र श्रीवास्तव, एस चांद क., दिल्ली
9. अपभ्रंश और अवहट्ट : एक अन्तर्यात्रा' – शम्भूनाथ पाण्डेय

30/6/14

विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
Jaipur

अथवा (ग) (5) राजस्थानी भाषा

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

क. **राजस्थानी भाषा :**

1. भारतीय भाषाओं में राजस्थानी का महत्व, राजस्थानी की प्रमुख विशेषताएं एवं प्रमुख बोलियाँ।
2. राजस्थानी भाषा का इतिहास।

ख. **राजस्थानी साहित्य :**

1. राजस्थानी गद्य एवं पद्य – गद्य और पद्य में निर्धारित पाठ्य ग्रंथ ये हैं :–

गद्य : 1. राजस्थानी गद्य चयनिका सं. ब्रजनारायण पुरोहित प्र. श्याम प्रकाशन, जयपुर।
2. अचलदास खींची री वचनिका – संपादक भूपतिराम साकरिया, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।

पद्य : 1. वेलि क्रिसन रूक्मणी री : पृथ्वीराज राठौड़ सं. नरोत्तमदास स्वामी – श्रीराम मेहरा एण्ड कम्पनी, आगरा (प्रारम्भ के 225 छंद वसन्त वर्णन से पूर्व तक)
2. राजस्थानी रसधारा – डॉ.शम्भूसिंह मनोहर, श्याम प्रकाशन, जयपुर

अंक विभाजन :

1. गद्य व पद्य की प्रत्येक पुस्तक से एक–एक व्याख्या होगी 28 अंक
2. राजस्थानी भाषा की विशेषता, व्याकरण अथवा भाषा के इतिहास से संबंधित एक प्रश्न 16 अंक
3. राजस्थानी गद्य साहित्य चयनिका अथवा वचनिका से संबंधित एक समीक्षात्मक प्रश्न 16 अंक
4. राजस्थानी पद्य साहित्य बेलि अथवा रसधारा से संबंधित एक समीक्षात्मक प्रश्न 16 अंक
5. राजस्थानी साहित्य के इतिहास से संबंधित दो टिप्पणियां (आन्तरिक विकल्प देय, शब्द सीमा 300 शब्द प्रति टिप्पणी) 24 अंक

पांचवाँ प्रश्न टिप्पणीपरक होगा जिसमें दो टिप्पणियां 12–12 अंक अर्थात् कुल 24 अंक की पूछी जायेगी। इस टिप्पणीपरक प्रश्न में गद्य एवं पद्य के इतिहास से संबंधित टिप्पणियां होंगी। (आन्तरिक विकल्प देय, शब्द सीमा 300 शब्द होगी)

अनुशंसित ग्रंथ :

1. राजस्थानी भाषा – डॉ. सुनीति कुमार चटर्जी – राजस्थानी साहित्य शोध संस्थान, उदयपुर।
2. पुरानी राजस्थानी – डॉ. तेसीतोरी (अनं. डॉ. नामवरसिंह) नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
3. राजस्थानी व्याकरण – लेखक एवं प्रकाशक – सीताराम लालस, जोधपुर।
4. संक्षिप्त राजस्थानी व्याकरण – नरोत्तमदास स्वामी–सार्दुल राजस्थानी रिसर्च इन्स्टीट्यूट, बीकानेर।
5. राजस्थानी भाषा और साहित्य – डॉ. मोतीलाल मैनारिया–हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
6. राजस्थान का भाषा सर्वेक्षण – ग्रियर्सन, अनु. डॉ. आत्माराम जाजोरिया, राजस्थान भाषा प्रचार सभा, जयपुर।
7. राजस्थानी हिन्दी कोष भाग 2– डॉ. भूपतिराम साकरिया तथा बद्री प्रसाद साकरिया – प्रकाशक,पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
8. ढोला मारू रा दूहा – एक अध्ययन – डॉ. कृष्णबिहारी सहल– आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली।
9. रूकमणी हरण सायंजी झूलाकृत – विश्लेषण एवं मूल्यांकन, श्रीमती ऊषा शर्मा – ऊषा पब्लिशिंग हाऊस, जोधपुर।
10. राजस्थानी गद्य उद्भव और विकास – सं. डॉ. शिवस्वरूप शर्मा 'अचल', सार्दुल राजस्थानी रिसर्च इन्स्टीट्यूट, बीकानेर।
11. सांस्कृतिक राजस्थान भाग एक – प्र. अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, हरीसन रोड़, कलकत्ता।
12. आधुनिक राजस्थानी साहित्य – प्रेरणास्रोत और प्रवृत्तियाँ, डॉ. किरण नाहटा।
13. राजस्थानी शोध निबन्ध – डॉ. शम्भूसिंह मनोहर।

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
Jaipur

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

63

अथवा (घ) कोई एक विधा

(1) हिन्दी नाटक और रंगमंच

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रंथ :

1. नीलदेवी – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
2. अजात शत्रु – जयशंकर प्रसाद
3. अंधा युग – धर्मवीर भारती
4. मोहन राकेश – लहरों का राजहंस
5. एक और द्रोणाचार्य – शंकर शेष

अंक विभाजन :

1. चार व्याख्याएं प्रत्येक पुस्तक से एक अवश्य पूछी जाये (9 x 4 = 36 अंक)
2. चार समीक्षात्मक प्रश्न (प्रत्येक नाटक से एक प्रश्न अवश्य पूछा जाये) (16 x 4 = 64 अंक)
   आन्तरिक विकल्प देय

अनुशंसित ग्रंथ :

1. भरत नाट्य शास्त्र – चौखम्बा सीरीज, बनारस अथवा कोई भी अनुवाद
2. दशरूपक, धनंजय –चौखम्बा सीरीज, बनारस या हिन्दी अनुवाद
3. नाट्यदर्पण – रामचन्द्र गुणचन्द्र नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
4. हिन्दी नाटक सिद्धान्त और विवेचना – डॉ. गिरीश रस्तोगी, रामबाग कानपुर।
5. रंगदर्शन – नेमीचन्द्र जैन
6. रंगमंच – बलवन्त गार्गी
7. हिन्दी रंगमंच का इतिहास – डॉ. चन्दुलाल दुबे, जवाहर पुस्तक मंदिर मथुरा।
8. हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास – डॉ.दशरथ ओझा।

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
Jaipur

अथवा (घ) (2) हिन्दी उपन्यास

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. मुझे चाँद चाहिए – सुरेन्द्र वर्मा
2. शेखर एक जीवनी – भाग 1, भाग 2
3. नीला चाँद – शिवप्रसाद सिंह
4. कथा सतीसर – चन्द्रकान्ता

अंक विभाजन :

1. प्रत्येक पाठ्य पुस्तक से एक–एक व्याख्या–कुल चार व्याख्याएँ (9 x 4 = 36 अंक)
2. चार समीक्षात्मक प्रश्न। आन्तरिक विकल्प देय (16 x 4 = 64 अंक)

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिन्दी उपन्यास : डॉ.सुषमा धवन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा : रामदरश मिश्र
3. हिन्दी उपन्यास कोष : गोपलराय
4. उपन्यास का जन्म : परमानन्द श्रीवास्तव
5. हिन्दी उपन्यास : प्रयोक के चरण : राजमल बोरा
6. साठोत्तरी हिन्दी उपन्यासों में युवा का स्वरूप : डॉ.विमला सिंह, कला प्रकाशन, वाराणसी
7. आज का हिन्दी उपन्यास : डॉ.इन्द्रनाथ मदान
8. हिन्दी उपन्यास का स्वरूप : डॉ.शशिभूषण सिंहल
9. अधूरे साक्षात्कार : नेमीचन्द्र जैन
10. प्रतिनिधि उपन्यास, भाग एक, भाग दो : डॉ.यश गुलाटी, हरियाणा साहित्य एकेडेमी, चण्डीगढ़।

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

65

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
Jaipur

अथवा (घ) (3) समकालीन हिन्दी कविता
कवि और कविताएँ

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

ऋतुराज :

1. भूख
2. चुनो उन्हें जो तुम्हें चला सकें
3. लड़ाई
4. एक कटे पेड़ की कहानी
5. गरीब लोग
6. क्या कुछ कविता बचेगी

नंद किशोर आचार्य

1. अब यदि चलने भी लगे
2. घरौंदा
3. मरुथली का सपना
4. जल की याद
5. यहाँ भी वसंत

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

1. अहं से बड़ी हो तुम
2. अब नदियाँ नहीं सूखेंगी
3. जब–जब सिर उठाया
4. लीक पर न चलें
5. यहीं – कहीं एक कच्ची सड़क थी

वेणु गोपाल

1. वे साथ होते हैं
2. चट्टानों का जलगीत
3. हवाएं चुप नहीं रहतीं
4. ब्लैक मेलर
5. यह तो युद्ध है

अंक विभाजन :

1. प्रत्येक इकाई से एक–एक व्याख्या–कुल चार व्याख्याएँ	(9 x 4 = 36 अंक)
2. चार समीक्षात्मक प्रश्न। प्रत्येक कवि से प्रश्न पूछे जायें आंतरिक विकल्प देय	(16 x 4 = 64 अंक)

अनुसंशित ग्रंथ :

1. शुद्ध कविता की खोज : रामधारी सिंह दिनकर
2. प्रगतिशील काव्य धारा और केदारनाथ अग्रवालः डॉ.रामविलास शर्मा
3. राजस्थान का हिन्दी साहित्य : साहित्य एकेडेमी, उदयपुर
4. राजस्थान की हिन्दी कविता : संपादक प्रकाश आतुर
5. नयी कविताएँ : एक साक्ष्य : रामस्वरूप चतुर्वेदी
6. फिलहाल : अशोक वाजपेयी
7. नये प्रतिमान पुराने निकष : लक्ष्मीकांत वर्मा
8. कवितान्तर : डॉ.जगदीश गुप्त

66

Asstt. Registrar (A...
University

30/6/14

विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
मान विश्वविद्यालय
जयपुर

अथवा (घ) (4) हिन्दी कहानी

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तक :

एक दुनिया समानान्तर – राजेन्द्र यादव (सभी कहानियाँ)

अंक विभाजन :

1. कुल चार व्याख्याएँ। (आंतरिक विकल्प देय) (9 x 4 = 36 अंक)
2. कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न (16 x 4 = 64 अंक)
   पाठ्यक्रम की कहानियों के अतिरिक्त कहानी : उद्‌भव और विकास तथा विविध कहानी आंदोलनों पर भी प्रश्न पूछे जायेंगे। आन्तरिक विकल्प देय।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिन्दी कहानी की शिल्प–विधि का विकास : डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल
2. हिन्दी कहानी : स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव
3. नयी कहानी की भूमिका : कमलेश्वर
4. कहानी : नयी कहानी : डॉ.नामवर सिंह
5. आधुनिक कहानी का परिपार्श्व : डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
6. हिन्दी कहानी का उद्‌भव और विकास : डॉ.सुरेश सिन्हा
7. नयी कहानी : पुनर्विचार : मथुरेश, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
8. हिन्दी कहानी : आठवां दशक : मधुर उप्रेती
9. हिन्दी के प्रतिनिधि कहानीकार : डॉ.द्वारिका प्रसाद सक्सेना

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

67

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
Jaipur

अथवा (घ) (5) लोक साहित्य

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यक्रम :

1. लोक साहित्य के सामान्य सिद्धान्त –लोक साहित्य का अर्थ, परिभाषा, तत्व, प्रकार, क्षेत्र, महत्व, लोक और साहित्य का संबंध, लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य, लोक मानस की अवधारणा, लोक साहित्य और अन्य विषयों से संबंध। लोक साहित्य कला या विज्ञान।
2. लोक गीत–अर्थ, परिभाषा, महत्व, वर्गीकरण, तत्व, लोकगीत और साहित्यिक गीत, प्रमुख लोकगीत–राजस्थान और ब्रज प्रदेश से संबंधित, लोकगीतों में अभिव्यक्त जीवन और संस्कृति, रचना–प्रक्रिया, शिल्प विधान।
3. लोकगाथा और लोककथा–अर्थ, परिभाषा, तत्व, महत्व, प्रकार, प्रमुख लोकगाथाएँ व लोककथाएँ, राजस्थान और ब्रज प्रदेश से संबंधित, लोकगाथाओं व लोककथाओं में अभिव्यक्त जीवन और संस्कृति, रचना–प्रक्रिया, शिल्प विधान।
4. लोक नाट्य – अर्थ, परिभाषा, तत्व, महत्व, प्रकार, राजस्थान और ब्रज प्रदेश से संबंधित प्रमुख लोक नाट्य लोक रंगमंच, रंग विधान, लोक नाट्यों में अभिव्यक्त जीवन और संस्कृति, शिल्प विधान।
5. (क) लोकोक्ति, मुहावरे और पहेलियाँ– अर्थ, परिभाषा, महत्व, प्रकार, अभिव्यक्त लोक जीवन और संस्कृति।
   (ख) लोक साहित्य के संकलन का कार्य, प्रविधि और कठिनाइयाँ, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ, प्रमुख लोक साहित्य सेवी और उनकी देन।

अंक विभाजन :

1. प्रथम चार इकाइयों से एक–एक प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का, पाँचवीं इकाई 'क' और 'ख' दो भागों में विभक्त है। (20 x 4 = 80 अंक)
2. प्रत्येक 10 अंकों का। इससे संबंधित एक प्रश्न। (10 x 2 = 20 अंक)

अनुशंसित ग्रंथ :

1. लोक साहित्य विज्ञान – डॉ.सत्येन्द्र
2. लोक साहित्य सिद्धान्त और अध्ययन – डॉ.श्रीराम शर्मा
3. लोक साहित्य की भूमिका – डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
4. राजस्थानी लोक साहित्य – श्री नानूराम संस्कर्ता
5. ब्रज लोक साहित्य का अध्ययन – डॉ. सत्येन्द्र
6. राजस्थानी लोक गीत भाग 1,2 – डॉ.स्वर्णलता अग्रवाल
7. राजस्थानी लोक गाथाएँ – डॉ.कृष्ण कुमार शर्मा
8. राजस्थानी बाल साहित्य एक अध्ययन – डॉ.मनोहर शर्मा
9. राजस्थानी कहावतें, एक अध्ययन – डॉ कन्हैयालाल बहल
10. ब्रज और बुन्देली लोकगीतों का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ.शालिगराम गुप्त।

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

68

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
Jaipur

अथवा (घ) (6) हिन्दी पत्रकारिता : सिद्धान्त और व्यवहार

समय : 3 घण्टे — पूर्णांक : 100

पाठ्यक्रम :

1. **पत्रकारिता : सिद्धान्त एवं स्वरूप :**
   1. पत्रकारिता का अर्थ, परिभाषा, क्षेत्र, महत्व और प्रभाव।
   2. पत्रकारिता और साहित्य, साहित्य सृजन के विविध आंदोलनों के विकास में पत्र–पत्रिकाओं का योगदान। पत्रकारिता और रचना–धर्मिता। पत्रकार के गुण और दोष, कर्त्तव्य, आधुनिक युग में पत्रकारिता का महत्व।
   3. हिन्दी पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास
2. **प्रेस कानून :**
   1. अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता, लोकतांत्रिक परम्पराएं, मौलिक अधिकार और साहित्य से सम्बद्धता, स्वतंत्र प्रेस की अवधारणा।
   2. प्रमुख प्रेस कानून, मानहानि, न्यायालय की अवमानना, कॉपीराइट एक्ट 1957, प्रेस एवं पुस्तक पंजीकरण अधिनियम 1867, श्रम जीवी पत्रकार कानून 1955, प्रेस कॉंसिल अधिनियम 1973, औषधि और चमत्कारिक उपचार (क्षेत्रीय विधान) अधिनियम 1954, भारतीय सरकारी गोपनीयता कानून 1923, युवकों के लिए हानिप्रद प्रकाशन कानून, 1956, संसदीय विशेषाधिकार।
3. **समाचार लेखन एवं प्रस्तुतीकरण :** समाचार एवं उनके विविध प्रकार, समाचार संरचना, संवाददाता, उनके कर्तव्य एवं दायित्व, समाचार प्रेषण–विविध प्रणालियाँ।
4. **समाचार संपादन कला :** संपादक विभाग की संरचना, समाचार–चयन, शीर्षक, लेखन, पृष्ठसज्जा, स्तम्भ लेखन, पुस्तक–समीक्षा, फीचर–लेखन।
5. **दृश्य–श्रव्य संचार माध्यम :** जन संचार के प्रमुख माध्यम, भारत में आकाशवाणी व दूरदर्शन का उद्‌भव और विकास, महत्व और प्रभाव।

अंक विभाजन :

प्रत्येक खण्ड से संबंधित एक प्रश्न होगा। कुल पाँच प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न के 20 अंक होंगे। आन्तरिक विकल्प देय

अनुशंतिस ग्रंथ :

1. जन माध्यम और हिन्दी पत्रकारिता भाग 1, 2 – प्रवीण दीक्षित, सहयोग साहित्य संस्थान, कानपुर।
2. समाचार पत्रों का इतिहास – अम्बिका प्रसाद वाजपेयी, ज्ञानमण्डल, बनारस।
3. हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम – डॉ.वेदप्रताप वैदिक, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
4. हिन्दी पत्रकारिता–डॉ.कृष्णबिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन दिल्ली।
5. प्रेस विधि–डॉ.नन्दकिशोर त्रिखा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. भारत में प्रेस विधि– डॉ.सुरेन्द्रनाथ शर्मा, डॉ.मनोहर प्रभाकर, गतिमान प्रकाशन
7. संवाद और संवाददाता – राजेन्द्र, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़।
8. समाचार संकलन और लेखन – डॉ.नन्दकिशोर त्रिखा, हिन्दी समिति, लखनऊ
9. संवाददाता–सत्ता और महत्व – हेरम्ब मिश्र, किताब महल, इलाहाबाद
10. समाचार संपादन–प्रेमनाथ चतुर्वेदी, ऐकेडमिक बुक्स, दिल्ली
11. संपादन कला – के.पी.नारायण, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
12. आकाशवाणी–रामबिहारी विश्वकर्मा, प्रकशन विभाग, दिल्ली
13. फीचर लेखन – प्रेमनाथ चतुर्वेदी, प्रकशन विभाग दिल्ली

(69)

Asstt. Registrar (Acad.) University of Rajasthan Jaipur

30/6/14 विभागाध्यक्ष हिन्दी विभाग राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर

अथवा (घ) (7) दलित साहित्य

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. जूठन – ओम प्रकाश वाल्मीकि
2. दलित कहानी संचयन : सं. रमणिका गुप्ता (हिन्दी कहानियाँ मात्र)
3. वर्ग व्यवस्था और शूद्र, सामंतवादी समाज में जाति व्यवस्था, शूद्र वर्ग में जातियां और स्तर भेद, स्वतंत्रता संग्राम और दलित प्रश्न, अंबेडकर के सार्थक प्रयास और दलित वर्ग में जागरण, आधुनिकता के प्रश्न और दलित। भारतीय संविधान में दलितों के अधिकार, दलित मध्यवर्ग का उभार, दलित स्त्रियां, दलित नवजागरण।
4. भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य, दलित और भक्ति–आन्दोलन, दलित साहित्य का वैकल्पिक सौन्दर्यशास्त्र, दलित साहित्य में सहानुभूति बनाम स्वानुभूति, प्रेमचंद और निराला का दलित समाज संबंधी साहित्य।

अंक विभाजन :

1. प्रथम दो खण्ड से दो–दो व्याख्याएँ पूछी जायेंगी। (9 x 4 = 36 अंक)
2. सभी चारों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। (16 x 4 = 64 अंक)
   आंतरिक विकल्प देय

अनुशंसित ग्रंथ :

1. दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र – ओम प्रकाश वाल्मीकि
2. युद्धरत आम आदमी – सं. रमणिक गुप्ता (पत्रिका) दलित अंक
3. दलित साहित्य – अंक 2002, अंक 2003 सं. जयप्रकाश कर्दम
4. हरिजन से दलित – सं. राजकिशोर, वाणी प्रकाशन
5. आधुनिकता का आइने में दलित – सं. अभय कुमार दुबे, वाणी प्रकाशन
6. वसुधा (पत्रिका) 58वां अंक, मध्य प्रदेश प्रगतिशील लेखक संघ
7. दलित और अश्वेत साहित्य – कुछ विचार, सं. चमन लाल, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

70

अथवा (घ) (8) स्त्री लेखन और विमर्श

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. चितकोबरा – मृदुला गर्ग
2. संग सार – नासिरा शर्मा (कहानी संग्रह)
3. कस्तूरी कुंडल बसे – मैत्रेयी पुष्पा (आत्मकथा)
4. स्त्री उपनिवेश – प्रभा खेतान (निबंध)

अंक विभाजन :

1. प्रत्येक खण्ड से एक व्याख्या (9 x 4 = 36 अंक)
2. चार समीक्षात्मक प्रश्न–प्रत्येक से एक आन्तरिक विकल्प देय (16 x 4 = 64 अंक)

अनुशंसित ग्रंथ :

1. स्त्री पुरुष : कुछ पुनर्विचार, राजशेखर, वाणी प्रकाशन
2. आदमी की निगाह में औरत, राजेन्द्र यादव
3. औरत अस्मिता और संवेदन, अरविन्द जैन
4. परिधि पर स्त्री, मृणाल पांडे
5. नारीवादी विमर्श, राकेश कुमार, आधार प्रकाशन
6. दुर्ग द्वारा पर दस्तक, कात्यायनी
7. भारतीय समाज में नारी, नीरा देसाई।

30/6/14

विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur-3

अथवा (घ) (9) अनूदित साहित्य

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. चित्र प्रिया – अखिलन, ज्ञानपीठ प्रकाशन
2. निशीथ – उमाशंकर जोशी
3. समकालीन मराठी कहानियाँ, डॉ.चन्द्रकांत वांदिवडेकर

अंक विभाजन :

1. प्रत्येक पुस्तक से एक व्याख्या	(10 x 3 = 30 अंक)
2. तीन पुस्तकों से कुल तीन प्रश्न	(12 x 3 = 36 अंक)
(क) तीन प्रश्न आलोचनात्मक	
(ख) दो टिप्पणियाँ	(10 x 2 = 20 अंक)
3. अनुवाद – प्रक्रिया से संबंधित एक प्रश्न	(14 x 1 = 14 अंक)

30/6/14
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

72

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
Jaipur